माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

Board of Secondary Education, Rajasthan, Ajmer

विवरणिका

(SYLLABUS)

कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017

Class-9 (Secondary) Examination, 2017

एवं

कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा, 2017

Class-9 (Praveshika) Examination, 2017

(विद्यालय स्तरीय एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

एन. सी. एफ. 2005 पर आधारित

[Based on National Curriculum Framework 2005]

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

विषय–सूची

कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017 के लिये आवश्यक निर्देश	3
2.	कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017 के लिये परीक्षा योजना	4

पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषाएँ :	
	(i) हिन्दी	6
	(ii) अंग्रेजी	8
	(iii) तृतीय भाषा (कोई एक)	10
2.	विज्ञान	20
3.	सामाजिक विज्ञान	24
4.	गणित	28
5.	व्यावसायिक शिक्षा (अतिरिक्त वैकल्पिक विषय केवल चयनित विद्यालयों में)	32
6.	समाजोपयोगी योजनाऐं	-
7.	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा	38
8.	सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1	40
9.	(i) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा	41
	(ii) कला शिक्षा	45

कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा, 2017

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा, 2017 के लिये आवश्यक निर्देश	48
2.	कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा, 2017 के लिये परीक्षा योजना	50
3.	कक्षा 9 (प्रवेशिका) (i) हिन्दी	51
	(ii) अंग्रेजी	53
4.	संस्कृतम् (विशेष)	55
5.	Appendix - I Road Safety Education	58
6.	Appendix - II विधिक जागरूकता	71
6.	Appendix - III विभिन्न विषयों के लिए निर्धारित पाठ्यपुस्तकों एवं अभिस्तावित सन्दर्भ पुस्तकों की सूची	76

कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017 के लिए आवश्यक निर्देश

1. विवरणिका के इस भाग में कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017 का पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकें, जो शैक्षणिक सत्र 2016–2017 के लिये हैं, दी गई हैं।
2. कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा के लिये निर्धारित अवधि एक वर्ष है एवं यह परीक्षा विद्यालय स्तर पर बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित होगी। इस हेतु विवरणिका में वार्षिक परीक्षा–योजना प्रस्तावित की गई है, किन्तु इस संबंध में इसकी क्रियान्विति विभागीय निर्देशों के संदर्भ में की जायेगी।
3. विषयों के शिक्षणार्थ प्रति सप्ताह निर्धारित कालांश :

क्र. सं.	विषय		कालांश : 48
1.	भाषाएँ :		17
	(1) हिन्दी	6	
	(2) अंग्रेजी	6	
	(3) तृतीय भाषा	5	
2.	विज्ञान		8
3.	सामाजिक विज्ञान		8
4.	गणित		8
5.	व्यावसायिक शिक्षा (अतिरिक्त वैकल्पिक विषय) कोई एक		6
	(i) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य (ii) स्वास्थ्य देखभाल (iii) सूचना प्रौद्योगिकी		
	(iv) निजी सुरक्षा (v) रिटेल (vi) ट्रेवल एवं टूरिज्म		
	(vii) ऑटोमोबाइल (viii) इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स		
	(ix) Apparel Made ups & Home Furnishing		
	(x) Micro Irrigation Technician (Agriculture)		
	(नोट– इस विषय के शिक्षण के लिए विद्यालय में अतिरिक्त समय की व्यवस्था की जाए)		
6.	समाजोपयोगी योजनाऐं		2
7.	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा (खेल प्रवृत्तियां '0' कालांश)		2
8.	सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1		2
9.	(1) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा		1+'0'
	(2) कला शिक्षा		(कालांश)
10.	नैतिक शिक्षा : प्रार्थना के साथ तथा अन्य सभी विषयों के अध्ययन के साथ समाहित		
11.	पुस्तकालय : पुस्तकालय से पुस्तकों का आदान–प्रदान '0' कालांश/मध्य अन्तराल में		

नोट : ऐसे विद्यालय जहाँ कम्प्यूटर लेब की सुविधा नहीं है, वहाँ के संस्था प्रधान, पाठ्यक्रम एवं शाला की स्थानीय आवश्यकता के अनुसार 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' के लिए निर्धारित कालांशों का समायोजन अन्य विषयों के शिक्षण में कर सकते हैं।

कक्षा 9 (माध्यमिक) परीक्षा, 2017 के लिए परीक्षा योजना

क्र.सं.	विषय	प्रश्न पत्र	समय (घण्टे)	प्रत्येक पत्र के अंक	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	
1	2	3	4	5	6	7	
1.	**भाषायें :**						न्यूनतम उत्तीर्णांक विभागीय नियमानुसार होंगे।
	(1) हिन्दी	एक पत्र	3.15	100	100	36	
	(2) अंग्रेजी	एक पत्र	3.15	100	100	36	
	(3) तृतीय भाषा : कोई एक–संस्कृत /उर्दू / गुजराती/सिंधी/पंजाबी	एक पत्र	3.15	100	100	36	
2.	**विज्ञान**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
3.	**सामाजिक विज्ञान**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
4.	**गणित**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
5.	**व्यावसायिक शिक्षा (अतिरिक्त वैकल्पिक विषय) कोई एक**	एक पत्र	2.00	30	30	11	
		सत्रांक	-	30	20	–	
	(केवल चयनित विद्यालयों में)	प्रायोगिक	3.00	50	50	18	
6.	**समाजोपयोगी योजनाऐं**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
7.	**शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा**	एक पत्र	3.15	30	100	–	
	(विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन)	प्रायोगिक	0.30	70			
8.	**सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1**	एक पत्र	3.15	70	100	–	
	(विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन)	प्रायोगिक	2.00	30			
9.	**(i) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा**	**विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन**		100	इन विषयों का अंकतालिका में ग्रेडिंग का अंकन होगा।		
	(ii) कला शिक्षा			100			

नोटः 1. परीक्षा प्रश्न पत्र की अवधि 3 घण्टे 15 मिनट है।

2. (A) शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा तथा 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' के प्राप्ताँक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़े जाएँगे। इन विषयों के प्राप्तांको को अंकतालिका में दर्शाया जाएगा। 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' हेतु राज्य सरकार/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम निर्देशों का अवलोकन करें एवं तद्नुसार कार्यवाही करें।

(B) समाजोपयोगी योजनाऐं विषय में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, लेकिन प्राप्ताँक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़े जायेगें।

3. मूक बधिर छात्रों को अंग्रेजी व तृतीय भाषा की छूट रहेगी। यह छूट नियमित एवं स्वयंपाठी के लिए लागू रहेगी।

4. कला शिक्षा के पाठ्यक्रम को दो भागों में विभक्त किया गया है–(1) चित्रकला (2) संगीत एवं नाट्य। विद्यार्थी दोनों खण्डों का अध्ययन करेगें। दोनों के पूर्णांक 50+50 =100 होंगे।

5. ऐसे विद्यालय जहाँ कम्प्यूटर लेब की सुविधा नहीं है, वहाँ के संस्था प्रधान, पाठ्यक्रम एवं शाला की स्थानीय आवश्यकता के अनुसार 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' के लिए निर्धारित कालांशों का समायोजन अन्य विषयों के शिक्षण में कर सकते हैं।

6. न्यूनतम उत्तीर्णाक 36% निर्धारित किए गए हैं जो शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों से प्रवृत्त हैं।

7. लेवल–1 (कक्षा–9) (व्यावसायिक शिक्षा – अतिरिक्त वैकल्पिक विषय) की परीक्षा योजना :

नोट– (i) सैद्धान्तिक परीक्षा (सत्रांक रहित), सैद्धान्तिक परीक्षा (सत्राँक सहित) तथा प्रायोगिक परीक्षा में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

(ii) सत्राँक के 20 अंक का विभाजन– 10 अंक स्थानीय, 5 अंक प्रोजेक्ट, 3 अंक उपस्थिति और 2 अंक व्यवहार।

(iii) कक्षा–9 की व्यावसायिक परीक्षा और विद्यालय स्तर की कक्षा–9 परीक्षा में यदि व्यावसायिक शिक्षा विषय के प्राप्ताँक सामाजिक विज्ञान विषय के प्राप्ताँक से अधिक है और परीक्षार्थी ने इन दोनों विषयों में न्यूनतम उत्तीर्णाक या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं तो ऐसी स्थिति में सामाजिक विज्ञान के स्थान पर व्यावसायिक शिक्षा को 6 विषयों में शामिल करते हुए परिणाम जारी किया जाएगा।

हिंदी पाठ्यक्रम

विषय कोड :

समय 3.15 घंटे **पूर्णांक : 100**

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	05
रचना	15
व्यावहारिक व्याकरण	15
पाठ्यपुस्तक– प्रबोधिनी	65

खण्ड–1

अपठित बोध **05 अंक**

(क) अपठित गद्यांश $2\frac{1}{2}$

(ख) अपठित पद्यांश $2\frac{1}{2}$

खण्ड–2

रचना **15 अंक**

निबन्ध लेखन 10

पत्र लेखन (प्रार्थना पत्र, शिकायती पत्र, पारिवारिक पत्र, संवेदना पत्र) 05

खण्ड–3

व्यावहारिक व्याकरण **15 अंक**

संज्ञा, सर्वनाम 02

संधि, उपसर्ग, प्रत्यय 05

पर्यायवाची, विलोम शब्द 02

शब्द शुद्धि 02

वर्ण विचार एवं आक्षरिक खंड 02

लिंग, वचन 02

खण्ड–4

पाठ्यपुस्तक–प्रबोधिनी **65 अंक**

(क) 1 व्याख्या गद्य भाग से (विकल्प सहित) 08

(ख) 1 व्याख्या पद्य भाग से (विकल्प सहित) 08

(ग) 2 निबन्धात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से विकल्प सहित) $2 \times 5 = 10$

(घ) 6 लघूत्तरात्मक प्रश्न (3 गद्य एवं 3 पद्य भाग से) 6 x 3=18

(ड) 4 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 गद्य एवं 2 पद्य भाग से) 4 x 2=8

(च) किन्हीं दो रचनाकारों का परिचय (कवि एवं लेखक) 2 x 4=8

(छ) सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित दो प्रश्न 05
(पहला दो अंक तथा दूसरा तीन अंक)

निर्धारित पुस्तक :

प्रबोधिनी – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

English

Subject Code : 02

Time : 3.15 Hours **Marks : 100**

Area of Learning	Marks
Reading	10
Writing	20
Grammar	30
Text book : **Insight**	25
Supp. Book : **Gems of Fiction**	15

(1) Reading **10 Marks**

One unseen passages for comprehension of about 250 words

(Besides comprehension questions, gramatical items should also be tested) 10

(2) Writing **20 Marks**

(i) Letter writing

Informal - personal, such as to family and friends.

Formal - letters to the editor/the principal of school.

Email - to the principal of the school or to the

editor of a newspaper or a magazine. 07

(ii) Short paragraph - speech or debate type, based on outline

one out of two (Limit : 60 to 80 words) 07

(iii) Short writing task in the form of dialogue or story

on the basis of some hints (Limit : 50 to 70 words) 06

(3) Grammar **30 Marks**

(i) Tenses (present, past and future) 04

(ii) Modals (can, could, may, might, should, must, etc.) 04

(iii) Subject Verb agreement 04

(iv) Narration 04

(v) Antonyms/Synonyms 04

(vi) Parts of speech 08

(vii) One word substitution 02

(4) Insight 25 Marks

*** Prose 17 Marks**

(i) One passage from the text book for comprehension (limit 200 words) 10
(Besides comprehension question, gramatical items should also be tested)

(ii) Three short answer type questions 03
(out of five, to be answered in 30 words each)

(iii) One long answer type question 04
(out of two, to be answered in 60 words each)

*** Poetry 08**

Marks

(i) One out of two reference to the context from the prescribed poems 04

(ii) Two out of three short answer type questions on interpretation of themes and ideas of the prescribed poems. 04

(5) Supplementry Reader -Gems of Fiction 15 Marks

(i) One out of two long answer type questions based on characters, plot or situation in the lessons. 04

(ii) Two out of four short answer type questions. 06

(6) Road Safety 05

निर्धारित पुस्तक :

1. **Insight –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
2. **Gems of Fiction –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
3. **Road Safety - Appendix I (Page 58-77)**

तृतीयभाषा (संस्कृतम्)

समय 3.15 घण्टे (होराः) **पूर्णांकाः–100**

	अधिगम क्षेत्रम्	अंकाः	कालांशाः
(i)	पठितावबोधनम्	40	72
(ii)	अपठितावबोधनम्	10	18
(iii)	रचनात्मककार्यम्	25	36
(iv)	व्याकरणम्	25	54

1. पठितावबोधनम्– (पाठ्यपुस्तकात्) अंकाः 40

(i) पाठ्यपुस्तकात् – गद्यांशस्य हिन्दीभाषायाम् अनुवादः (द्वयोः एकस्य) 5

(ii) पाठ्यपुस्तकात् – पद्यांशस्य हिन्दीभाषायाम् अनुवादः (द्वयोः एकस्य) 5

(iii) पाठ्यपुस्तकात् – पद्यांशस्य संस्कृतव्याख्या कार्या (द्वयोः एकस्य) 5

(iv) प्रश्ननिर्माणम् (पञ्चप्रश्नानां निर्माणम्) 5

(v) कथाक्रमसंयोजनम् (गतकक्षानाम् सुपरिचितकथानाम् क्रमरहित– षड्वाक्यानाम् क्रमपूर्वकं संयोजनम्) 5

(vi) संस्कृतमाध्यमेन प्रश्नोत्तराणि (अष्टसु पंचप्रश्नानाम्) 10

(vii) पाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयलेखनम् 5

2. अपठितावबोधनम् अंक 10

80–100 शब्दपरिमितः सरलगद्यांशः

(अ) शीर्षकदानम् 2

(ब) संस्कृतमाध्यमेन प्रश्नोत्तराणि 5

(स) अनुच्छेद– आधारितः भाषिककार्यम् 3

'भाषिककार्यम्' इत्यनेन अभिप्रेतम् अस्ति–

(i) वाक्येषु कर्तृ– क्रियापदचयनम्

(ii) कर्तृक्रिया–अन्वितिः

(iii) विशेषणविशेष्य–अन्वितिः

(iv) संज्ञास्थाने सर्वनामप्रयोगः अथवा सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः

(v) पर्यायं विलोमं वा पदम् दत्त्वा अनुच्छेदे दत्तं पदचयनम्

3. रचनात्मकं कार्यम् **25**

(अ) (i) प्राचार्यं प्रति प्रार्थनापत्रम्/आत्मीयजनान् प्रति निमन्त्रणपत्रम् 5

(ब) संकेताधारित – लघुकथालेखनम् 5

(स) चित्रवर्णनम् 5

(द) अनुवादकार्यम् (हिन्दीभाषायाः अष्टसु पञ्चवाक्यानाम् संस्कृतभाषायाम् अनुवादः) 10

4. व्याकरणम् **25**

(i) उच्चारणस्थानानि (अल्प्रत्याहारः) 2

(ii) स्वरसन्धिः (सन्धिः, सन्धिविच्छेदश्च) 3

दीर्घः, गुणः, वृद्धिः, यण्, अयादि– इतिपञ्चसन्धयः

(iii) समासज्ञानम् 3

अव्ययीभावतत्पुरुषबहुव्रीहिद्वन्द्वद्विगुसमासानाम् सामासिकपदनिर्माणं, समासविग्रहञ्च

(iv) कारकाणि – उपपदविभक्तीनां प्रयोगाः द्वितीयातः सप्तमी–विभक्तिपर्यन्तं 3

सामान्य–परिचयः

(v) उपसर्गाः – प्र, उप, सम्, अनु, दुस्, वि 2

(vi) प्रत्ययाः – तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, तरप्, तमप्, क्त, क्तवतु 2

(vii) शब्दरूपाणि–

(क) (i) पुल्लिङ्ग अजन्ताः 2

अकारान्त – रामः

इकारान्तः – हरिः

उकारान्तः – भानुः

ऋकारान्तः – पितृ

हलन्ताः – भवत्

(ख) स्त्रीलिंग अजन्ताः 2

आकारान्ता – रमा

इकारान्ता – मति

ईकारान्ता – नदी

ऋकारान्ता – मातृ

(ग) नपुंसकलिंगः अजन्ताः– अकारान्तः फलम् 1

(घ) सर्वनाम शब्दाः 1

(i) तत्, इदम्, किम्

(ii) अस्मद्, युष्मद्

(viii) धातुरुपाणि

लकाराः – लट्, लोट्, लृट्, लङ्. , विधिलिंग, धातुरुपाणि।

(i) परस्मैपदिनः – भू, पठ्, हस्, वद्, गम्, अस्, हन्, पच्, रक्ष्, दृश्, स्था, वस्, कृ, ज्ञा, भक्ष्,

इत्यादयः

(ii) आत्मनेपदिनः – सेव्, लभ्

1. पठितावबोधनम्

प्रथमःपाठः – वेद रश्मयः

द्वितीयःपाठः – योगः कर्मसु कौशलम्

तृतीयःपाठः – सुभाषितानि

चतुर्थःपाठः – संस्कृत गौरवम्

पंचमःपाठः – शश गजराज कथा

षष्ठःपाठः – गीतामृतम्

सप्तमःपाठः – प्रेरणा–पुंजः विवेकानन्दः

अष्टमःपाठः – भारतीय विज्ञान–परम्परा

नवमःपाठः – स्नेहमयी मम भारतमाता

दशमःपाठः – बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

एकादशःपाठः – पर्यावरणस्य महत्त्वम्

द्वादशःपाठः – नीतिपीयूषम्

त्रयोदशःपाठः – संचारसाधनानां विकासः

चतुर्दशःपाठः – कार्य खलु साधयेयम्

पंचदशःपाठः – सीता चरित्रम्

षोडशःपाठः – बलवान कः

सप्तदशःपाठः – दम्भ–ज्वरः

अष्टादशःपाठः – हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः

2. अपठितावबोधनम्

3. रचनात्मक–कार्यम्

(क) (i) प्राचार्यं प्रति प्रार्थनापत्रम्

(ii) आत्मीयजनान् प्रति निमन्त्रणपत्रम्

(ख) संकेताधारित – लघुकथालेखनम्

(ग) चित्रवर्णनम्

(घ) अनुवादकार्यम् (हिन्दीभाषायाः संस्कृतभाषायाम्)

4. व्याकरणम्

(i) उच्चारणस्थानानि

(ii) अच्सन्धिः (स्वरसन्धिः)

(iii) कारकाणि

(iv) समासः

(v) उपसर्गाः

(vi) प्रत्ययाः

(vii) शब्दरूपाणि

(viii) धातुरूपाणि

निर्धारित पुस्तक :

सरसा – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उर्दू (तृतीय भाषा)

समय 3.15 घण्टे **पूर्णांक–100**

	अधिगम क्षेत्र	अंक
1.	अपठित गद्यांश	08
2.	रचना– मजमून, खुतूत निगारी, दरखास्त–नवीसी	20
3.	व्यावहारिक व्याकरण– कवाइद	12
4.	पाठ्य–पुस्तक : सदा–ए–उर्दू	60

1. अपठित गद्यांश **अंक 08**

एक गद्यांश इकतिबास (40 से 50 अल्फाज) 08
(मफहूम और जबान से सम्बन्धित सवालात)

2. रचना– मजमून, खुतूत निगारी और दरखास्त **अंक 20**

(i) उममी दिलचस्पी के मोजूआत पर मजमून (40 से 50 अल्फाज) 10
(ii) खुतूत निगारी (निजी) और दरखास्त नवीसी 10

3. व्यावहारिक व्याकरण– कवाइद **अंक 12**

(i) इस्म (तारीफ मय मिसाल) 02
(ii) जमीर (तारीफ मय मिसाल) 02
(iii) सिफत 02
(iv) मुताजाद 02
(v) वाहिद और जमा 02
(vi) मुजक्कर, मुअननस 02

4. पाठ्य–पुस्तक : नस्र **अंक 30**

(i) तीन में से कोई दो इकतिबासात की तशरीह 16
(मय सियाको सबाक)
(ii) निसाबी किताब से छोटे सवालात 08
(पांच में से चार, 15–30 अल्फाज)
(iii) निसाबी किताब से दो में से कोई एक बड़ा सवाल। 06

पाठ्य–पुस्तक : नज्म **अंक 30**

(i) तीन में से कोई दो हिस्सों की मय सियाको सबाक तशरीह। 16
(ii) निसाबी किताब से छोटे सवालात। 08
(पांच में से चार, 15–30 अल्फाज)
(iii) निसाबी किताब से दो में से कोई एक बड़ा सवाल। 06

संदर्भ पुस्तकें :

(i) तारीख–ए–अदब उर्दू
(ii) कवाइद–ए–उर्दू (मौलवी अब्दुल हक)
(iii) इन्तिखाबे नस्र
(iv) इन्तिखाबे नज्म (शाइरी)

गुजराती (तृतीय भाषा)

धोरण (कक्षा) – 9

अभ्यास क्षेत्र	
– अपठित गद्यांश (ग़द्य समीक्षा)	10
– लेखन रचना	15
– व्याकरण	20
– गद्य	30
– पद्य	25
	100

(पुस्तकनी प्रस्तावनामां कक्को, बाराखड़ी, वर्ण (स्वर व्यंजन) नी सामान्य समझ आपवी)

1.	ग़द्य समीक्षा (100 थी 120 शब्दो) प्रश्नो, शीर्षक, व्याकरणगत, कोई मुददो	10
2.	लेजन रचना – मुददा परथी वार्ता लेखन – पत्र लेखन	8
3.	पाठ्य पुस्तक	
	गद्य (9)	30
	पद्य (7)	25
4.	व्याकरण	
	– भेडणी, विरोधी, समानार्थी	6
	– संज्ञा, सर्वनाम	4
	– लिंग, वचन, काल	6
	– वाक्य सुधारो, अने अनुवाद	4

निर्धारित पुस्तक :

गुजराती तृतीय भाषा – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

सिन्धी (तृतीय भाषा)

समय 3.15 घंटे **पूर्णांक : 100**

इकाई	विषय वस्तु	कालांश	अंक
1.	गद्य	70	35
2.	पद्य	50	25
3.	निबन्ध	15	10
4.	पत्र एवं प्रार्थना पत्र	08	05
5.	अनुवाद (हिन्दी से सिन्धी)	07	05
6.	व्याकरण		
	(i) अपठित गद्यांश	05	05
	(ii) गाल्हाइण जे लफ़्जनि जा नाला जमान, अदद, जिद, जिन्स	15	10
	(iii) इस्तलाह ऐं पहाका	05	05
		कुल कालांश 175	कुल अंक 100

प्रश्नों का अंक विभाजन–

1. गद्य विभाग– चार में से तीन प्रश्न (50 से 60 शब्दों में)	3	5=15
2. ससंदर्भ व्याख्या– तीन में से दो	2	4=8
3. लघूत्तरात्मक प्रश्न– पांच में से चार प्रश्न (15 से 20 शब्दों में)	2	4=8
4. अति लघूत्तरात्मक प्रश्न– तीन में से दो	2	2=4

पद्य खण्ड–

1. ससंदर्भ व्याख्या– तीन में से दो	2	5=10
2. लघूत्तरात्मक प्रश्न– तीन में से दो (15 से 20 शब्दों में)	2	3=6
3. कविता का सारांश– दो में से एक (100 शब्दों में)	1	9=9
व्याकरणत्मक प्रश्न		40
		योग–100

पुस्तक का शीर्षक– 'सिन्धी सुरहाण'

गद्य खण्ड– गद्य की प्रमुख विधाओं को निम्नलिखित विषय वस्तु के अनुसार अध्यायों का विभाजन किया जाए।

कहाणी– 5 कहानियाँ मानव मूल्यों से सम्बन्धित विशेष रुप से महिला सशक्तिकरण आदि विषयों पर प्रमुख कहाणीकार गोबिन्द माल्ही, ईश्वर चन्द्र, गोवर्धन भारती, हरी हिमथानी, अर्जुन कृपलानी, नन्दलाल

परसरामाणी, प्रो पोपटी, सुन्दरी उत्तमचन्दानी, डॉ. कमला गोकलानी। कहाणी लगभग तीन पृष्ठों की हो।

एकांकी– एक एकांकी हो। लगभग 3–4 पृष्ठों की हो। सिन्धी लोक कथा या सामाजिक समस्या पर आधारित हो।

यात्रा वृतान्त– सिन्ध यात्रा : हरी मोटवानी, ठाकुर चावला, मोती प्रकाश, जेठो लालवानी, में से किसी एक का अंश 4–5 पृष्ठों में हो।

जीवनी– तीन जीवनियां : प्रत्येक 4–5 पृष्ठों में हो। जेठी सिपहमलाणी, सन्त टेऊँराम, साधू हीरानन्द, कंवर राम, भगवन्ती नावाणी।

निबन्ध, संस्मरण एवं अन्य विधाएं– रीति रिवाज, त्यौहार, बाल श्रम, देश भक्ति, विज्ञान, संगीत, दर्शनीय स्थल (विशेष संदर्भ राजस्थान) कुल 5 निबन्ध : लगभग प्रत्येक 4–5 पृष्ठ

नोट– प्रत्येक अध्याय के अन्त में काठिन्य निवारण पाठ सम्बंधी लघुत्तरात्मक एवं निबन्धात्मक प्रश्न तथा व्याकरण की सामान्य जानकारी तथा ससंदर्भ व्याख्याएँ का समावेश हो।

पद्य खण्ड– पद्य भाग में कविता की विधाएँ : बैत, गजल, दोहे, श्लोक एवं अछन्द (नई कविता) कविता का समावेश हो। प्रमुखतः निम्नांकित कवियों का समावेश हो। सामी साहिब, कवि किश्नचंद बेवस, नारायण श्याम, हरी–दिलगीर, वासदेच निर्मल, हून्दराज दुखामल, गोवर्धन भारती, ढोलण राही, कमला गोकलानी, आशा दुर्गापुरी, सीरु स्याह, मोतीराम वलेच्छा 'जिन्दह'।

नोट– प्रत्येक कविता के अन्त में कठिन शब्दों के अर्थ, निबन्धात्मक प्रश्नों में कविता का सारांश समविष्ट किया जाय। लघुत्तरात्मक प्रश्न आदि हो।

बैत – बेबस, दुखायल, कमला।
सलोक – सामी
गजल – श्याम, गोवर्धन ढोलण, दिलगीर
दोहा – ढोलण, आशा दुर्गापुरी
अछंद कविता – सीरुस्याह, वलेहा, वासदेव निर्मल

निर्धारित पुस्तक :

सिंधी सुरहाण – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पंजाबी (तृतीय भाषा)

समय– 3.15 घण्टे **अंक–100**

अधिगम क्षेत्र		अंक	कालांश
1.	अपठित गद्यांश बोध	10	10
2.	निबंध	10	10
3.	पत्र लेखन	05	08
4.	व्याकरण	15	30
5.	पाठ्यपुस्तक	60	92

1. अपठित गद्यांश (100 से 120 शब्द) **10 अंक**

उपर्युक्त गद्यांश में से शीर्षक का चुनाव, विषय–वस्तु बोध, शब्दार्थ से संबंधित अति लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

2. निबंध लेखन **10 अंक**

(संकेत बिन्दुओं पर आधारित किसी एक आधुनिक विषय अथवा व्यक्तित्व पर आलेख विकल्प सहित)

3. पत्र लेखन (विकल्प सहित) **05 अंक**

4. व्याकरण **15 अंक**

(i) शब्द भेद : नांव, पड़नांव, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, संबंधक, योजक एवं विस्मिक।

(ii) लिंग, वचन एवं काल।

5. पाठ्यपुस्तक **60 अंक**

1. पठित पद्यांश पर आधारित व्याख्या एवं बोध प्रश्न (दो में से एक) 10
2. पठित पद्यांश पर आधारित संक्षेप सार एवं बोध प्रश्न (दो में से एक) 10
3. पाठ्यपुस्तक पर आधारित लघुत्तरात्मक प्रश्न (आठ में से कोई पांच) 20
4. पाठ्यपुस्तक पर आधारित निबंधात्मक प्रश्न (तीन में से दो) 20

निर्धारित पुस्तक :

पंजाबी विरसा – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर1

विज्ञान

विषय कोड 07

समय 3.15 घण्टे **पूर्णांक–100**

क्र. सं.	इकाई का नाम	पुस्तक में पाठ का क्रमांक	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक कालांश
1.	आज का युग एवं विज्ञान	1	भारत और विज्ञान	5	10
2.	द्रव्य–प्रकृति एवं व्यवहार	2	पदार्थ की संरचना एवं अणु	7	14
		3	परमाणु संरचना	10	20
		4	रासायनिक बंध एवं रासायनिक समीकरण	8	16
3.	सजीव जगत	5	जीवन की अवधारणा	4	8
		6	सजीव की संरचना	6	12
		7	जैव विविधता	6	12
		8	सजीवों की जैविक क्रियाएँ	9	18
4.	बल एवं गति	9	बल एवं गति	9	18
		10	गुरूत्वाकर्षण	7	14
		11	ध्वनि	6	12
		12	आकाशीय पिण्ड एवं भारतीय पंचाँग	3	6
5.	हमारा पर्यावरण	13	पर्यावरण	5	10
		14.	स्वास्थ्य, रोग एवं योग	5	10
		15.	प्राकृतिक संपदा एवं कृषि	5	10
6.	सड़क सुरक्षा	16.	सड़क सुरक्षा	5	10

Details of the Syllabus

विज्ञान

इकाई–1 आज का युग एवं विज्ञान

अध्याय–1 भारत और विज्ञान

– विज्ञान का अर्थ, वैज्ञानिक विधि, भारत में विज्ञान की परम्परा, विकास में विज्ञान का योगदान, दीर्घजीवी विकास एवं विज्ञान, हमारे वैज्ञानिक (बीरबल साहनी, मेघनाथ साहा, प्रोफेसर सत्येन्द्र नाथ बोस, भास्कर) वर्तमान भारत में वैज्ञानिक उपलब्धियां।

इकाई–2 द्रव्य–प्रकृति एवं व्यवहार

अध्याय–2 पदार्थ की संरचना एवं अणु : कषाद का सिद्धांत, पदार्थ की प्रकृति, अणु में भार होता हैं, परमाणु, अणु, तत्व, यौगिक, मिश्रण, पदार्थ की अवस्थाएं एवं अभिलाक्षणिक गुण, भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, पदार्थो का शुद्विकरण, अवस्था परिवर्तन व प्रभाव।

अध्याय–3 परमाणु संरचना : परमाणु की आन्तरिक संरचना व परमाणु के मौलिक कणों की खोज, परमाणु का आकार, द्रव्यमान, परमाणविक आधार पर तत्व, यौगिक, मिश्रण, परमाणु भार, अणु भार, आवोगाद्रो की संख्या, परमाणु की स्थिति $(2n^2)$, समस्थानिक, समभारिक।

अध्याय–4 रासायनिक बंध एवं रासायनिक समीकरण : प्रतीक, मूलक, अणुसूत्र, धनायन, ऋणायन, संयोजकता एवं विसंयोजकता, आयनिक बंध, सह संयोजक बंध, उप सह–संयोजक बंध, रासायनिक समीकरण, नागार्जुन की जीवनी।

इकाई–3 सजीव जगत

अध्याय–5 जीवन की अवधारणा : सजीव निर्जीव में प्रमुख अन्तर, जीव की उत्पत्ति संबंधी विभिन्न परिकल्पनाएं, बाह्म अंतरिक्ष में जीवन की खोज, पृथ्वी जैसे गृह का अर्थ एवं उनकी खोज।

अध्याय–6 सजीव की संरचना : जीवन का आधार कोशिका, कोशिका सिद्धान्त व उसके अपवाद, कोशिका की संरचना, जन्तु व वनस्पति कोशिका, कोशिका चक्र, कोशिका विभाजन, एक कोशीय जीव वाइरस।

बहु कोशीय जीवों की रचना, ऊतक, जन्तु व वनस्पति ऊतकों के प्रमुख प्रकार, अंग व तन्त्रों की संरचना।

अध्याय–7 जैव विविधता : जैव विविधता का अर्थ, महत्व एवं संरचना के उपाय, विविध प्रकार की वनस्पति व जन्तु वर्गीकरण की आवश्यकता, जन्तुओं व पादपों के प्रमुख समूह, विभिन्न प्रकार के आवास, आवास के अनुसार जन्तु व पादप अनुकूलन, द्विनाम पद्धति की आवश्यकता।

अध्याय–8 सजीवों की प्रमुख क्रियाएँ : पोषण की अवधारणा व महत्व, पादपों में पोषण, प्रकाश संश्लेषण, जन्तुओं में पोषण, भोजन के प्रमुख घटक, परपोषण, परजीवी, सहजीवी, मृतोपजीवी।

पाचन– अर्थ व आवश्यकता, पाचन क्रिया के प्रमुख चरण, जीवों में पाचन की प्रमुख जानकारी।

श्वसन– श्वसन की आवश्यकता, श्वसन क्रिया के चरण, जीवों में श्वसन क्रिया, पादपों में श्वसन।

संवहन– अर्थ व आवश्यकता, जीवों में संवहन का सतही ज्ञान, पादपों में संवहन।

उत्सर्जन– अर्थ व आवश्यकता, जन्तुओं में उत्सर्जन, पादपों में उत्सर्जन।

जनन– अर्थ व आवश्यकता, जन्तुओं में जनन, अलैंगिक व लैंगिक जनन, पादपों में जनन, कायिक जनन।

नियमन– संवेदनशीलता, तंत्रिका तन्त्र, अन्तः स्त्रावी तन्त्र, पादपों व जन्तु नियमन में अन्तर, डॉ. जगदीश चंद बोस का जीवन परिचय।

इकाई–4 बल एवं गति

अध्याय–9 बल एवं गति : सदिश एवं अदिश राशियाँ, बल, बलों के प्रकार, गति, गति के प्रकार, दूरी व विस्थापन, चाल एवं वेग, त्वरण तथा मंदन, घर्षण बल, घर्षण कम करने के उपाय, लाभ एवं हानि, प्रणोद बल, दाब, उत्प्लावन बल, आर्कमिडीज का सिद्धांत, आपेक्षिक घनत्व, गति के समीकरण, गति के नियम।

अध्याय–10 गुरूत्वाकर्षण : गुरूत्वाकर्षण, गुरूत्वाकर्षण का सार्वत्रिक नियम, गुरूत्वीय त्वरण, गुरूत्वीय त्वरण का मान, विभिन्न ग्रहों पर गुरूत्वीय त्वरण, वस्तुओं के द्रव्यमान तथा भार, भारहीनता।

अध्याय–11 ध्वनि : ध्वनि की उत्पत्ति, ध्वनि का संचरण, ध्वनि तरंगों के संचरण के लिए माध्यम की आवश्यकता, ध्वनि तरंगों के प्रकार व अभिलाक्षणिक गुण, ध्वनि की चाल, ध्वनि तरंगों का परावर्तन, प्रतिध्वनि अनुरणन, ध्वनि के उपयोग, पराश्रृव्य ध्वनि, राडार, सोनार।

अध्याय–12 आकाशीय पिण्ड एवं भारतीय पंचांग : नक्षत्र, राशियां, सौरमण्डल व इसके ग्रह, ग्रहों की गतियां, राशियां, उत्तरायण, दक्षिणायन, बुध व शुक्र पारगमण, तिथियां, भारतीय महिनों के नामों का आकाशीय संबंध, आर्यभट्ट, वराहमिहीर, भास्कर जैसे वैज्ञानिकों की जीवनी पर प्रकाश।

इकाई–5 हमारा पर्यावरण

अध्याय–13 पर्यावरण : पर्यावरण का अर्थ, पर्यावरण प्रदूषण के कारण, प्रभाव, संरक्षण के उपाय, पारिस्थितिकी, पारिस्थितिकी तन्त्र की रचना, भू जैव रासायनिक चक्र, जलीय चक्र, ऑक्सीजन चक्र, कार्बन चक्र, नाइट्रोजन चक्र, ग्रीन हाउस प्रभाव, ओजोन परत।

अध्याय–14 स्वास्थ्य, रोग एवं योग : स्वास्थ्य से तात्पर्य, स्वास्थ्य का महत्व, संतुलित भोजन एवं उसके अवयव, फास्ट फूड, सिन्थेटिक फूड पेय का प्रभाव, कुपोषण के कारण, रोग, रोग के लक्षण, रोग के कारक, संक्रामक व असंक्रामक रोग, वायरस जनित, जीवाणु जनित व प्रोटोजोआ जनित, लक्षण, कारण, निवारण, पातन्जली, योग का स्वास्थ्य पर प्रभाव, नागार्जुन का जीवन परिचय।

अध्याय–15 प्राकृतिक संपदा एवं कृषि : वायु, जल, मृदा का महत्व, वायु की गति, वायुमण्डल का महत्व, वायु प्रदुषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनि, प्रकाश व विकिरण, खाद एवं उर्वरक, फसल, फसल की किस्में, फसल पैटर्न, फसल सुरक्षा, सिंचाई के तरीके, पशुपालन, पशुपालन व कृषि, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन, मत्सयपालन।

प्रयोगात्मक कार्य– **अंक 5**

(1) कक्षा–9 में विद्यार्थियों द्वारा पादप को प्रवेश या जुलाई–अगस्त माह में लगवाना, वर्ष भर मानिटरिंग व रिर्पोटिंग करना, वर्ष के अन्त में तैयार हुए पौधों का शिक्षक द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

(2) सप्ताह में शून्य कालांश के आधार पर प्रति सप्ताह विद्यालय में व्यर्थ पेयजल की समुचित व्यवस्था का प्रबन्धन करवाना।

(3) किसी एक भारतीय वैज्ञानिक की छायाचित्र सहित उसके कार्यो का विवरण तैयार कर वार्षिक प्रदर्शनी लगाना।

(4) स्थानीय वनस्पति एवम् जन्तुओं की सामान्य जानकारी।

सड़क सुरक्षा

निर्धारित पुस्तक :

विज्ञान– माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

सामाजिक विज्ञान

विषय कोड

समय 3.15 घण्टे **पूर्णांक–100**

अध्याय का कमांक	अध्याय का नाम	अंक भार
	भाग– प्रथम	**50**
	इतिहास एवं नागरिक शास्त्र	
1	विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ	5
2	विश्व के प्रमुख दार्शनिक चिन्तन	5
3	प्राचीन भारत और विश्व	5
4	सामाजिक सुधार और धार्मिक पुनर्जागरण	5
5	विश्व की प्रमुख घटनाएं	5
6	भारत में राष्ट्रीयता	5
7	राजस्थान के गौरव	5
8	भारत में राजनीतिक विकास	5
9	भारत का संविधान	5
10	स्थानीय स्वशासन	5
11	वैदेशिक सम्बन्ध	5
	भाग– द्वितीय	**50**
	भूगोल एवं अर्थ शास्त्र	
12	भारत का भौतिक स्वरूप	5
13	भारत की नदियाँ एवं झीलें	5
14	भारत की जलवायु	5
15	भारत की प्राकृतिक वनस्पति एवं मृदाएँ	5
16	अर्थशास्त्र का विकास	5
17	भारतीय अर्थ व्यवस्था में कृषि	5
18	व्यवसाय एवं वाणिज्यिक क्रियाएँ	5
19	पुस्तपालन (बहीखाता)	5
20	आपदा प्रबन्धन	5
21	सड़क सुरक्षा	5

सामाजिक विज्ञान

भाग– प्रथम **कुल अंक–50**

इतिहास एवं नागरिक शास्त्र

अंक

अध्याय–1 विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ **5**

– वैदिक सभ्यता, सिन्धु सरस्वती सभ्यता, मिश्र, यूनान एवं चीन।

– राजस्थान की प्रायीन सभ्यताएँ : आहड़, कालीबंगा, सुनारी, चन्द्रावती।

अध्याय–2 विश्व के प्रमुख दार्शनिक चिन्तन **4**

– वैदिक, बौद्ध, जैन, इस्लाम, ईसाई, पारसी दर्शन।

अध्याय–3 प्राचीन भारत और विश्व **4**

– वृहत्तर भारत व्यापार, वाणिज्य, उद्योग, आर्थिक संस्थाएँ।

– कला, साहित्य, विज्ञान, गणित, ज्योतिष, खगोल, आयुर्वेद।

अध्याय–4 सामाजिक सुधार और धार्मिक पुनर्जागरण **4**

– शैव, वैष्णव, सूफी।

– ब्रह्य समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन, अणुव्रत आन्दोलन।

अध्याय–5 विश्व की प्रमुख घटनाएं **5**

– फ्रांस, रूस की क्रान्ति

– पश्चिम का औपनिवेशिक, साम्राज्यवादी विस्तार

– प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध

– राष्ट्र संघ, संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, 'अरब बसंत' कारण व प्रभाव

अध्याय–6 भारत में राष्ट्रीयता **4**

– उद्भव व विकास (अतीत से वर्तमान तक)

– 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम, राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में।

अध्याय–7 राजस्थान के गौरव **4**

– जन नायक : बप्पा रावल, पृथ्वीराज चौहान, वीर दुर्गादास, महाराणा साँगा, मालदेव, महाराजा सूरजमल, अमृतादेवी, गोविन्द गुरू, जननायिका मीरा, पन्नाधाय, काली बाई।

– लोक देवता : गोगाजी, तेजाजी, रामदेव, पाबूजी, देवनारायण।

– समाज सुधारक : दादू, जसनाथ जी, आचार्य भिक्षु, जम्भोजी, रामचरण जी, संत पीपाजी।

अध्याय–8 भारत में राजनीतिक विकास **4**

– स्वतंत्रता से पूर्व की स्थिति

– रियासतों का एकीकरण (कश्मीर, हैदराबाद, जूनागढ़, गोआ, पांडिचेरी)

– राजस्थान का एकीकरण

– राज्यों का पुनर्गठन : 26 जनवरी 1950 से वर्तमान तक (राजधानी, जनसंख्या, भाषा, क्षेत्रफल, उद्योग आदि के नवीनतम समंकों सहित)

अध्याय–9 भारत का संविधान **6**

– संविधान निर्माण, विशेषताएँ।

– मूल अधिकार, कर्त्तव्य

– नीति निर्देशक तत्त्व

अध्याय–10 स्थानीय स्वशासन **5**

– प्राचीन गणतंत्रीय व्यवस्था

– स्थानीय स्वशासन का राजस्थान में विकास

– ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद,

– नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका, छावनी बोर्ड (राजस्थान के नवीनतम समंकों सहित)

अध्याय–11 वैदेशिक सम्बन्ध **5**

– भारतीय विदेश नीति के आदर्श (अतीत से वर्तमान तक)

– शांतिपूर्ण सह अस्तित्व, गुट निरपेक्षता, साम्राज्यवाद तथा रंगभेद नीति में भारत की भूमिका

– आतंकवाद परमाणु नीति, सार्क (दक्षेस)

– मध्य एशिया के देशों में विशेष संदर्भ में भारत की नीति

भाग– द्वितीय कुल अंक–50

भूगोल एवं अर्थ शास्त्र

अंक

अध्याय–12 भारत का भौतिक स्वरूप **5**

– परिचय

– भारत के भौतिक प्रदेश

– राजस्थान के भौतिक प्रदेश

अध्याय–13 भारत की नदियाँ एवं झीलें **5**

– उत्तर भारत की नदियाँ

– दक्षिण भारत की नदियाँ

– आन्तरिक प्रवाह (सरस्वती)

– भारत की प्रमुख झीलें

– राजस्थान की नदियाँ एवं झीलें

अध्याय–14 भारत की जलवायु 5

– जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक
– प्रमुख ऋतुएँ
– मानसून, वर्षा का वितरण
– राजस्थान की जलवायु, ऋतुएँ एवं वर्षा

अध्याय–15 भारत की प्राकृतिक वनस्पति एवं मृदाएँ 5

– प्राकृतिक वनस्पति
– वन्य जीव, वन्य जीव संरक्षण (राष्ट्रीय उद्यान, जैव मण्डल रिजर्व, अभयारण्य)
– मृदाएँ
– राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति व मृदाएँ

अध्याय–16 अर्थशास्त्र का विकास 5

– अर्थ, आर्थिक क्रियाएँ, गैर आर्थिक क्रियाएँ, आय के साधन (भूमि, मजदूरी, पूँजी एवं श्रम)
– अर्थ व्यवस्था के प्रकार
– भारतीय आर्थिक चिन्तन

अध्याय–17 भारतीय अर्थ व्यवस्था में कृषि 5

– महत्व, नवीन प्रवृत्तियाँ, हरित क्रान्ति, श्वेत क्रान्ति तथा उनके प्रभाव
– कृषि की समस्याएँ व निराकरण

अध्याय–18 व्यवसाय एवं वाणिज्यिक क्रियाएँ 5

– व्यवसाय की अवधारणा, प्रकार, विनिर्माण
– वाणिज्य, व्यापार, बैकिंग, बीमा, परिवहन एवं संचार
– सूचना प्रौद्योगिकी व सेवा क्षेत्र

अध्याय–19 पुस्तपालन (बहीखाता) 5

– ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, अर्थ, विशेषताएँ
– विधियाँ, महाजनी पद्धति एवं दोहरा लेखा पद्धति के सिद्वान्त एवं अवस्थाएँ।

अध्याय–20 आपदा प्रबन्धन 5

– प्राकृतिक आपदाएँ एवं प्रबन्धन
– मानवकृत आपदाएँ एवं प्रबन्धन

अध्याय–21 सड़क सुरक्षा 5

– सड़क सुरक्षा एवं विधिक जागरूकता

निर्धारित पुस्तक :

सामाजिक विज्ञान – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

विधिक जागरूकता – Appendix II (Page 71-75)

गणित

विषय कोड 09

समय 3.15 घण्टे **पूर्णांक–100**

क्र. सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1.	वैदिक गणित (Vedic Mathematics)	1. वैदिक गणित	8	8
2.	संख्या पद्धति (Number System)	1. संख्या पद्धति	6	6
3.	बीज गणित (Algebra)	1. बहुपद 2. दो चरों वाले रैखिक समीकरण	10 10	20
4.	ज्यामिति (Geometry)	1. ज्यामिति का परिचय 2. सरल रेखीय आकृतियाँ 3. त्रिभुजों की सर्वांगसमता एवं असमिकाएँ 4. त्रिभुजों की रचनाएँ 5. चतुर्भुज और चतुर्भुजों की रचनाएँ 6. त्रिभुज एवं चतुर्भुज के क्षेत्रफल सम्बंधी प्रमेय	2 6 4 4 6 4	26
5.	मेन्सुरेशन (Mensuration)	1. समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल 2. घन, घनाभ का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन	7 8	15
6.	त्रिकोणमिति (Trigonmetry)	1. कोण एवं उनके माप 2. न्यूनकोण के त्रिकोणमितिय अनुपात 3. त्रिकोणमितिय सर्वसमिकाएँ	3 4 3	10
7.	सांख्यिकी (Statistics)	1. सांख्यिकी	10	10
8.	सड़क सुरक्षा शिक्षा	1. सड़क सुरक्षा शिक्षा	5	5

Details of the Syllabus

इकाई–1 वैदिक गणित

1. वैदिक गणित की मूल संकल्पना–

एकाधिकेन पूर्वेण, एक न्यूनेन पूर्वेण, सूत्रों के अर्थ एवं अनुप्रयोग, विनकुलम् (ऋणांक) संख्या, आधार, उपाधार, विचलन, सूत्र निखिलम्, नवतः चरमं दशत्, वर्ग, वर्गमूल, घनफल, सूत्र उर्ध्व तिर्यगभ्याम्, भाग संक्रिया, ध्वजांक विधि, सूत्र परावर्त्य, योजयेत् उत्तर जांचने की नवांक एवं एकादशांक विधि।

इकाई–2 संख्या पद्धति

परिमेय संख्याओं का संख्या रेखा पर पुनरावलोकन, अपरिमेय संख्या, वास्तविक संख्या एवं उसके दशमलव प्रसार, संख्या रेखा पर अपरिमेय संख्याओं का निरुपण, उत्तरेक्त आवर्धन प्रक्रम, वास्तविक संख्या का ज्यामितिय रुप से निरुपण, वास्तविक संख्याओं पर संक्रियाएँ, वास्तविक संख्याओं के लिए घाताँक नियम।

इकाई–3

1. बहुपद–

एक चर वाले बहुपद की परिभाषा, इसके गुणाँक, अचर बहुपद, शून्य बहुपद, रैखिक बहुपद, बहुपद के शून्यक, शेषफल प्रमेय, बहुपदों के गुणनखण्ड, बीजीय सर्वसमिकाएँ

$(x+y)^2 = x^2 + 2xy + y^2$, $(x-y)^2 = x^2 - 2xy + y^2$

$x^2 - y^2 = (x+y)(x-y)$. $(x+a)(x-b) = x^2 + (a+b)x + ab$

$(x+y+z)^2 = x^2 + y^2 + z^2 + 2xy + 2yz + 2zx$, $(x \pm y)^3 = x^3 \pm y^3 \pm 3xy(x \pm y)$

$x^3 + y^3 + z^3 - 3xyz = (x + y + z)(x^2 + y^2 + z^2 - xy - yz - zx)$

2. दो चरों वाले रैखिक समीकरण

परिचय, दो चर वाले रैखिक समीकरण, आयतीय निर्देशांक पद्वति, दो चरों की रैखिक समीकरण आलेखन, युगपत समीकरणों का बीजीय हल, (i) विलोपन विधि (प्रतिस्थापन द्वारा गुणांकों को समान करना) (ii) वज्रगुणन विधि, साधनीयता के लिए प्रतिबन्ध, दो चर वाले रैखिक समीकरणों के अनुप्रयोग।

इकाई–4 ज्यामिति

1. ज्यामिति का परिचय

आधारभूत संकल्पनाएँ, प्रमेय निर्मेय, ज्यामितिय चिह्न, कोण व उसका मापन, प्रतिच्छेदी रेखा व समान्तर रेखा, आधारभूत रचनाएँ

निर्मेय – किसी दिए हुए रेखा खण्ड समद्विभाजन करना।

किसी दिए हुए कोण समद्विभाजन करना, परकार व पटरी की सहायता से 60^0, 120^0, 30^0, 90^0, 45^0, 135^0 कोणों की रचना करना।

किसी दी हुई रेखा पर स्थित किसी बिन्दु पर एक दिए हुए कोण के समान कोण की रचना। परकार व स्केल की सहायता से किसी भी माप के कोण की रचना करना।

किसी दी हुई सरल रेखा पर किसी दिये हुए बिन्दु से जो सरल रेखा से बाहर है, लम्ब खींचना, किसी दी हुई सरल रेखा के किसी बिन्दु पर लम्ब खींचना।

2. सरल रेखीय आकृतियां

त्रिभुज एवं उसके कोण, त्रिभुजों का वर्गीकरण, सरल रेखीय आकृतियां।

3. त्रिभुजों की सर्वांगसमता एवं असमीकाएं

प्रमेय कोण, भुजा कोण, नियम, त्रिभुज क विशेष गुण धर्म, त्रिभुजों की सर्वांगसमता के लिए कुछ और कसौटियां, भुजा–भुजा–भुजा, नियम, आर.एच.एस. नियम, त्रिभुज की इसमीकाएं, रेखा की बाह्य बिन्दु से लम्बवत दूरी।

4. त्रिभुजों की रचनाएं

त्रिभुज की रचना, जिसकी तीनों भुजाएं ज्ञात हो, दो भुजाएं और उनके बीच का कोण, एक भुजा और दो कोण दिये गये हो। समकोण त्रिभुज की रचना करना, त्रिभुज की रचना जिसमें दो भुजाएं तथा उनमें से एक के सामने का कोण दिया गया हो।

त्रिभुज की कठिन रचनाएं।

5. चतुर्भुज एवं चतुर्भुजों की रचनाएं

चतुर्भुजों के प्रकार, समांतर चतुर्भज के गुणधर्म, मध्य बिन्दु प्रमेय, चतुर्भुज की रचना, जब चार भुजाएं एवं एक विकर्ण दिया गया हो, तीन भुजाएं एवं इनके बीच के दो कोण, दो क्रमागत भुजाएं एवं उनके बीच का कोण एवं दो अन्य कोण, समान्तर एवं समलम्ब चतुर्भुज की रचना।

6. त्रिभुजों एवं चतुर्भुजों के क्षेत्रफल

प्रस्तावना, क्षेत्रफल, एक ही आधार एवं एक ही समान्तर युग्म के मध्य बनी आकृतियां।

* एक ही आधार और एक ही समांतर रेखाओं के बीच के समांतर चतुर्भुजों के क्षेत्रफल बराबर होते है।

*एक ही आधार और एक ही समांतर रेखाओं के बीच त्रिभुजों के क्षेत्रफल बराबर होते है।

* यदि दो त्रिभुजों के क्षेत्रफल बराबर हो और एक त्रिभुज की एक भुजा, दूसरे त्रिभुज की एक भुजा के बराबर हो तो उनके संगत शीर्ष लम्ब बराबर होते है।

बोद्वायन प्रमेय

* किसी समकोण त्रिभुज में कर्ण पर बना वर्ग अन्य दोनों भुजाओं पर बने वर्गो के योग के बराबर होता है।

* (बोद्वायन प्रमेय का विलोम) – किसी त्रिभुज में यदि एक भुजा का वर्ग अन्य दोनों भुजाओं के वर्गो के योग के बराबर हो तो इस भुजा के सामने का कोण एक समकोण होता है।

इकाई–5 मेन्सुरेशन

1. समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल

प्रस्तावना, त्रिभुज का क्षेत्रफल, हीरो का सूत्र, समद्विबाहु त्रिभुज का क्षेत्रफल, समबाहु त्रिभुज का क्षेत्रफल, समकोण त्रिभुज का क्षेत्रफल, चतुर्भुज का क्षेत्रफल, समान्तर चतुर्भुज का क्षेत्रफल, विभिन्न चतुर्भुजों का क्षेत्रफल (चक्रीय चतुर्भुज, सम चतुर्भुज, समलम्ब चतुर्भुज के क्षेत्रफल)
को ज्ञात करने में इसका अनुप्रयोग। विभिन्न प्रकार के त्रिभुजों का क्षेत्रफल ज्ञात करना।

2. घन और घनाभ का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन

प्रस्तावना, घन, घनाभ, घन और घनाभ के विकर्ण, घन और घनाभ का आयतन।

इकाई–6 त्रिकोणमिति

1. कोण एवं उनके माप

त्रिकोणमिति, धनात्मक एवं ऋणात्मक दूरियां, कोण, धनात्मक एवं ऋणात्मक कोण, किसी भी परिमाण के कोण एवं कोणों की माप, पष्टिक पद्वति, शतिक पद्वति, वृत्तीय पद्वति, पाई ( ) का मान, रेडियन का मान।

π

2. न्यूनकोणों के त्रिकोणमितिय अनुपात

समकोण त्रिभुज, न्यून कोणों के त्रिकोणमितिय अनुपात, त्रिकोणमितिय अनुपातों में परस्पर सम्बन्ध, त्रिकोणमितीय सर्वसमिकाएं।

इकाई–7 सांख्यिकी

1. सांख्यिकी

परिचय : प्राथमिक आंकड़ें, द्वितीयक आंकड़ें, आकड़ों का प्रस्तुतिकरण, आकड़ों का आलेखीय निरुपण, दण्ड आलेख, आयत चित्र, (आधार लम्बाई परिवर्तन के साथ), बारंबारता बहुभुज, केन्द्रीय प्रवृति के माप–माध्य, माध्यक एवं बहुलक।

इकाई–8 सड़क सुरक्षा शिक्षा

प्रतिशत (उद्देश्य, विषयवस्तु, गतिविधि), वृत्त (उद्देश्य, विषयवस्तु, गतिविधि), सांख्यिकी (उद्देश्य, विषयवस्तु, गतिविधि), चतुर्भुज (उद्देश्य, विषयवस्तु, गतिविधि), सड़क संकेत, प्रायिकता (उद्देश्य), आकड़े।

निर्धारित पुस्तक :

गणित – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

व्यावसायिक शिक्षा

यह विषय अतिरिक्त वैकल्पिक विषय के रूप में विद्यार्थियों द्वारा लिया जा सकता है। इस हेतु निम्नांकित सात व्यावसायिक विषयों में से कोई एक विषय का चयन किया जा सकता है–

(i) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य (Beauty and Wellness)
(ii) स्वास्थ्य देखभाल (Health Care)
(iii) सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology)
(iv) सुरक्षा (Security)
(v) फुटकर बिक्री (Retail)
(vi) पर्यटन एवं यात्रा (Tourism and Travel)
(vii) ऑटोमोबाइल (Automobile)
(viii) इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स
(ix) Apparel Made ups & Home Furnishing
(x) Micro Irrigation Technician (Agriculture)

इस विषय में एक प्रश्न पत्र होगा जिसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं–

प्रश्न पत्र	समय	प्रश्न पत्र पूर्णांक	सत्रांक	प्रायोगिक परीक्षा	पूर्णांक
एक	2.00 घण्टे	30	20	50	100

नोट– प्रायोगिक परीक्षा और सैद्धान्तिक परीक्षा (सत्रांक रहित) पृथक–पृथक उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

(i) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य (Beauty and Wellness) अंकभार

यूनिट 1 : शारीरिक देखभाल का परिचय– **07½**

मानव अंग प्रणाली, पोषण, सौंदर्य विज्ञान की बुनियादी बातें, स्वास्थ्य का परिचय।

यूनिट 2 : हाथों की देखभाल का परिचय– **04**

भुजा एवं हाथ की अस्थियों की रचना, नाखून की रचना, हाथ की त्वचा एवं नाखूनों की बीमारियां।

यूनिट 3 : पैरों की देखभाल का परिचय– **04**

टांग और पैर की देखभाल, पैर की त्वचा एवं नाखूनों के रोग, पैरों एवं नाखूनों की देखभाल।

यूनिट 4 : चेहरे और सौंदर्य देखरेख का परिचय **06**

चेहरे और गर्दन की रचना, चेहरे की त्वचा एवं उसके प्रकार, चेहरे की त्वचा की समस्याएं, चेहरे की देखभाल।

यूनिट 5 : केश देखरेख का परिचय– **06**

केश की संरचना एवं वृद्वि, केशों के प्रकार और उनके लक्षण, केशों एवं सिर की त्वचा की सामान्य समस्याएं, केश देखभाल, सिर की मालिश।

यूनिट 6 : हस्तकला का परिचय– **02½**

मेहंदी, नख कला।

योग 30

(ii) स्वास्थ्य देखभाल (Health Care) अंकभार

यूनिट 1 : स्वास्थ्य देखभाल प्रदायगी प्रणाली– **06**

स्वास्थ्य देखभाल प्रदायगी प्रणाली को समझना, अस्पताल के घटकों और गतिविधियों को अभिज्ञात करना, चिकित्सालय की भूमिका और कार्यो को समझना, विभिन्न पुनर्वास देखभाल सुविधाओं की पहचान, दीर्घ अवधि तक देखभाल करने वाली सुविधाओं की पहचान, आश्रम देखभाल के ज्ञान का निष्पादन।

यूनिट 2 : रोगी देखभाल सहायक की भूमिका– **04**

रोगी देखभाल सहायक की भूमिका को पहचानना, रोगी की दैनिक देखभाल की विभिन्न गतिविधियां पहचानना, रोगी के आराम के लिए आवश्यक मूलभूत घटकों को पहचानना, रोगी की सुरक्षा को समझना, उत्तम रोगी देखभाल सहायक की विशेषताएं पहचानना, विभिन्न जैव चिकित्सा अपशिष्टों की पहचान और इसका प्रबंधन।

यूनिट 3 : व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छता मानक– **06**

अच्छे स्वच्छता अभ्यास का प्रदर्शन, अच्छे स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों को पहचानना, हाथ धोने के महत्व को पहचानना, व्यक्तिगत तैयारी का प्रदर्शन।

यूनिट 4 : प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रिया– **05**

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के अनिवार्य घटक, उत्तरजीविता की श्रृंखला का प्रदर्शन।

यूनिट 5 : टीकाकरण– **04**

विभिन्न प्रकार की प्रतिरक्षा के बीच अंतर, टीकाकरण अनुसूची को समझना, विश्वव्यापी टीकाकरण कार्यक्रमों के मुख्य घटकों की पहचान। पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम।

यूनिट 6 : कार्यस्थल में संचार– **05**

संचार के तत्वों की पहचान, प्रभावी कौशलों का प्रदर्शन।

योग 30

(iii) सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) अंकभार

यूनिट 1 : Functional English (Basic)- **05**

Introducing oneself, Greeting others, Talking about one's Family, Telling the Time, Framing Questions, Describing Someone, Describing the Weather, Framing Complete Sentences, Expressing Likes and Dislikes, Expressing Strengths and Weaknesses, Talking about Aspirations, Talking about Values, Quantifiers, Inviting Someone, Shopping for Necessities, Asking the Price, Negotiation, Confusing Words.

यूनिट 2 : कम्प्यूटर की मूलभूत बातें– **05**

कम्प्यूटर का परिचय, कम्प्यूटर सिस्टम के भाग, कम्प्यूटर की मूलभूत बातें, कम्प्यूटर के प्रकार, एक कम्प्यूटर का उपयोग, कम्प्यूटर आपरेटिंग सिस्टम, मूलभूत फाइल पर कार्य करना, इंटरनेट, वर्ल्ड वाइड वेब, डिजिटल प्रौद्योगिकी और मीडिया युक्तियां (डिवाइस)।

यूनिट 3 : मास्टरिंग टाइपिंग– **02½**

टच टाइपिंग के साथ शुरूआत करना, प्रयोक्ता अनुभव, पाठ शुरू करना, आंकड़े देखना, लैसन एडिटर के साथ काम करना।

यूनिट 4 : वर्ड प्रोसेसिंग– **05**

वर्ड प्रोसेसर के साथ आरंभ करना, डाक्यूमेंट को एडिट और सेव करना, यूजर इंटरफेस के तत्वों की पहचान, डाक्यूमेंट फॉर्मेट– बोल्ड, इटेलिक और अंडरलाइन, वर्तनी की जांच, व्याकरण जांच और थिसॉरस (शब्दकोश) का उपयोग, कॉपी पेस्ट और कट पेस्ट, फाइंड और रिप्लेस टेक्स्ट, बुलेट और नंबरिंग का उपयोग कर वस्तु की सूची बनाना, फॉर्मेट फॉन्ट स्टाइल, टेक्स्ट अलाइन करना, डाक्यूमेंट के दृश्य (व्यूज), डाक्यूमेंट प्रिन्ट करना, टेबल बनाना, टेबल को फॉर्मेट करना, टेक्स्ट को टेबल में और टेबल को टेक्स्ट में बदलना, पेज, पैराग्राफ और टेक्स्ट में शैडिंग करना, डॉक्यूमेंट का प्रिव्यू देखना, इसका मार्जिन और ओरिएंटेशन ठीक करना, टैब का उपयोग कर टेक्स्ट एलाइन करना।

यूनिट 5 : मास्टरिंग स्प्रैडशीट– **07½**

स्प्रैडशीट का परिचय, स्प्रैडशीट को खोलना, सेव और बंद करना, स्प्रैडशीट में डाटा डालना, मूलभूत गणना– जोड़ना, मूलभूत गणना– घटाना, मूलभूत गणना– गुणा, मूलभूत गणना– भाग देना, कॉलम और रो इनसर्ट करना, सेल और उसकी सामग्री फॉर्मेट करना, स्टॉक रजिस्टर, इंटरफेस आवश्यकतानुसार बदलना, मुद्रा चिन्हों का उपयोग, सेल और उसकी सामग्री फॉर्मेट करना–फॉन्ट स्टाइल और साइज, डिलीट करना/हटाना– कॉलम और रो, स्पैल चैक, सेल के बॉर्डर बनाना, सेल में रंग भरना, एक वर्कबुक में वर्कशीट को मैनेज करना, वर्कशीट का प्रिन्ट निकालना।

यूनिट 6 : डिजिटल प्रेजेन्टेशन– **02½**

डिजिटल प्रेजेन्टेशन का परिचय, प्रेजेन्टेशन बनाना, सेव करना और बंद करना, एक सरल प्रेजेन्टेशन बनाना, एक प्रेजेन्टेशन को देखना– स्लाइड शो देखना, टेक्स्ट एडिट करना– फोंट साइज, स्टाइल और कलर, एक प्रेजेन्टेशन में टेक्स्ट एडिट करना, एक प्रेजेन्टेशन में इमेज इन्सर्ट करना, एक प्रेजेन्टेशन में शेप्स डालना, प्रेजेन्टेशन की थीम्स, एक प्रेजेन्टेशन की डिजाइन बदलना, स्लाइडस को अरेंज, डिलीट और एड करना, एक प्रेजेन्टेशन प्रिन्ट करना।

यूनिट 7 : ई–मेल संदेश भेजना– **02½**

ई–मेल का परिचय, Gmail.com के साथ एक ई–मेल अकाउंट बनाना, Outlook.com के साथ एक ई–मेल अकाउंट बनाना, ई–मेल पते के लिंक से ई–मेल एप्लीकेशन, एक ई–मेल संदेश लिखना, ई–मेल संदेशों की प्राप्ति और प्रतिक्रिया, ई–मेल रिबन का उपयोग, एक ई–मेल संदेश का फॉर्मेट और स्पेल चैक, ई–मेल संदेश के साथ फाइल अटैच करना, हैल्प का उपयोग करना, ई–मेल संदेश प्रिन्ट करना, संपर्क जोड़ना और संशोधित करना, ई–मेल संदेशों को व्यवस्थित करने के लिए फोल्डर का उपयोग।

योग 30

(iv) निजी सुरक्षा (Security)

यूनिट 1 : कार्यस्थल में संचार

संचार चक्र के तत्वों की पहचान करना, प्रतिक्रिया प्रदान करना, संचार की बाधाओं से उबरना, संचार के सिद्धांत लागू करना, मौखिक और अमौखिक संचार के तत्व लागू करना, संचार उपकरण और चैनलों का उपयोग।

यूनिट 2 : आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया–

प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओ ं की पहचान, आपदा और आपातकालीन प्रबंधन के तत्वो ं की पहचान, आगजनी की आपातकालीन स्थितियों से निपटना।

यूनिट 3 : पणधारकों के साथ संबंधों का विकास और अनुरक्षण–

पणधारकों का चयन, पणधारकों के साथ प्रभावी संचार, व्यक्तिगत क्षमताओं और संबंधों का विकास, विवादों का प्रबंधन।

यूनिट 4 : व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रक्रियाएं–

कार्यस्थल में सामान्य खतरों और जोखिमों की पहचान, खतरों के साथ जुड़े जोखिमों का आकलन और उन्हें कम करना, खतरों को नियंत्रित करना।

यूनिट 5 : लोगों का अवलोकन और निगरानी–

अवलोकन में इंद्रियों का इस्तेमाल करना, सुरक्षित परिवेश बनाए रखना, सुरक्षा में उल्लंघन की रोकथाम और रिपोर्टिंग।

यूनिट 6 : कार्यस्थल में प्राथमिक चिकित्सा (मूलभूत)

प्राथमिक चिकित्सा के साथ संबंधित स्वास्थ्य आपात स्थिति, प्राथमिक चिकित्सा के लिए सुविध ाओं, उपकरण और सामग्री का चयन, बुखार, लू लगने, पीठ में दर्द, अस्थमा, और भोजन से उत्पन्न बीमारी में प्राथमिक उपचारक की भूमिका का प्रदर्शन, कटने, खून बहने, जलने, कीड़े के काटने, कुत्ते के काटने और सांप के काटने में प्राथमिक उपचारक की भूमिका।

यूनिट 7 : कार्य के साथ समेकित अधिगम–

सुरक्षा की भूमिका की पहचान, सुरक्षा के विभिन्न प्रकारों के बीच अंतर, राश्ट्रीय सुरक्षा बलों में अवसरों को पहचानना, शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना।

(v) रिटेल (Retail)

यूनिट 1 : रिटेल की मूलभूत बातें–

रिटेल की मूलभूत बातें, संगठित और असंगठित रिटेलिंग, स्टोर और स्टोर से बाहर रिटेलिंग, भारतीय और वैश्विक रिटेलर्स।

यूनिट 2 : मूलभूत संवाद–

परिचय और अभिवादन, प्रश्न और पूर्ण वाक्य का निर्माण, रिटेल परिवेश में ग्राहकों के साथ व्यवहार, संवाद के सिद्धांत।

यूनिट 3 : रिटेल क्षेत्र में वस्तुओं का प्रबंधन–

रिटेल वस्तुओं के प्रकार, सामग्री की हैंडलिंग, वस्तुओं की हैंडलिंग में प्रलेखन, वस्तुओं को ले जाने की प्रक्रिया।

यूनिट 4 : ग्राहक सेवाएं–

वैचारिक रुपरेखा, प्रभावी ग्राहक सेवा, रिटेल में ग्राहक सेवाएं, ग्राहक सेवा के तत्व।

यूनिट 5 : रिटेल में पैकेजिंग और बैगिंग–

पैक करने की सामग्री, पैक करने के उपस्कर का प्रयोग, बैगिंग के लिए प्रक्रिया, अंकित करना और लेबल लगाना।

यूनिट 6 : रिटेल में स्वच्छता और सुरक्षा प्रथाएं–

मूलभूत स्वच्छता और सुरक्षा प्रथाएं, संभावित खतरे, कार्यस्थल में सुरक्षा उपाय, सुरक्षा के लिए की जाने वाली सावधानियां।

यूनिट 7 : कार्य के साथ सीखना–

रिटेलिंग में नौकरी के अवसर, रिटेलिंग में कैरियर की संभावनाएं, बायोडेटा बनाना, नौकरी के आवेदन बनाना।

(vi) पर्यटन एवं यात्रा (Tourism and Travel)

INTRODUCTION TO SOFT SKILLS FOR TOURISM & TRAVEL INDUSTRY -

Unit Overview & Description, Introduction , Defining Hard Skills & Soft Skills, Importance of Soft Skills in Tourism & Travel Industry, Communication Skills – A Key to Soft Skills, Communication –The Concept, Process of Communication, Types of Communication - Verbal Communication, Elements of Verbal Communication, Non –Verbal Communication, Types of Non-Verbal Communication, Barriers to Communication, Effective Communication, Listening, Summary.

UNIT - 1 INTRODUCTION TO TOURISM - I

Unit Overview & Description, Introduction, Defining Tourism, Tourist Typology, Purpose of Tourism, Components of Tourism, Forms of Tourism, Summary.

UNIT – 3 TOURISM BUSINESS - I

Unit Overview & Description, Introduction, Evolution of the Business of Tourism, The Silk Route, The Grand Tour, Advent of Modern Tourism, Tourism Intermediaries and linkages, Tourism in Modern India, Tours on Indian Railways, Summary.

TOURIM PRODUCT- I

Unit Overview, Introduction, Tourism resources, Types of tourism resource, Tourism product, Characteristics of tourism product, Tourism resource to tourism product, Classification of tourism product, Protection of tourism products, Summary.

UNIT - 5 FAM TOUR

Unit overview and description, Visit/meeting with a local/ASI/Ministry of Tourism approved guide, Report the importance of the meet as well as role play, Visit/ overnight journey to a destination/site of importance, Report on the visit/ overnight journey to a destination / site of importance and role play.

(vii) ऑटोमोबाइल (Automobile)

यूनिट 1 : ऑटोमोबाइल वाहनों का इतिहास और आविष्कार–

परिचय, पहिए का आविष्कार, पहिए वाली गाड़ी, ऑटोमोबाइल वाहनों का आविष्कार, ऑटोमोबाइल वाहनों का आविष्कार (द्वितीय विश्व युद्ध का आविष्कार)।

यूनिट 2 : ऑटोमोबाइल वाहनों के विभिन्न प्रकार–

परिचय, टु व्हीलर वाहन और थ्री व्हीलर वाहन, यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन, कृषि सम्बंधी वाहन, निर्माण उपकरण वाहन, विशेष वाहन, (द्वितीय विश्व युद्ध का आविष्कार),

यूनिट 3 : एक ऑटोमोबाइल वाहन की प्रमुख प्रणालियाँ और पुर्जे–

परिचय, चेसिस फ्रेम और ऑटो बॉडी, इंजन और उसके हिस्से, लुबिक्रेट सिस्टम, कुलिंग सिस्टम, ईंधन की आपूर्ति, ट्रांसमिशन सिस्टम, फ्रंट और रियल एक्सल, स्टियरिंग, सस्पेंशन सिस्टम, पहिए और टायर, ब्रेक, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली, एयर कंडिशनिंग (वाताकूलन) सिस्टम, एक्टिव (सक्रिय) और पैसिव (निष्क्रिय) सुरक्षा।

यूनिट 4 : सड़क सुरक्षा–

परिचय, सड़क सुरक्षा का महत्व, सुरक्षित और जिम्मेदारी से वाहन चलाना, सडत्रक के संकेत, वाहन चलाने के नियम और पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस।

यूनिट 5 : ऑटोमोबाइल वाहन और पर्यावरण–

परिचय, वायु प्रदूषण, ऑटो एमिशन (उत्सर्जन) और ईयू/ बीएस मानक, पीयूसी प्रमाणन।

यूनिट 6 : वाहन के रखरखाव और सर्विसिंग का परिचय–

परिचय, वाहन के रखरखाव और सर्विसिंग का महत्व, एक वाहन का जीवन बढ़ाने का सुझाव, वाहन की सर्विस की प्रक्रिया का परिचय।

यूनिट 7 : नवाचार और विकास–

परिचय, नवाचार और विकास।

(viii) इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स

(ix) Apparel Made ups & Home Furnishing

(x) Micro Irrigation Technician (Agriculture)

नोट– उपरोक्त बिन्दुओं **(viii), (ix)** व **(x)** के विषयों का पाठ्यक्रम पंडित सुंदरलाल शर्मा व्यावसायिक शिक्षा केन्द्रीय संस्थान, भोपाल द्वारा निर्धारित तथा राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल, जयपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के आधार पर है।

पाठय पुस्तकें :– पं. सु. श. केन्द्रीय व्यावसायिक संस्थान, भोपाल से राजस्थान पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर द्वारा साभार प्रकाशित।

शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा

विषय कोड : 82

यह विषय (माध्यमिक स्तर पर) अनिवार्य विषय के रूप में समाहित है। इस हेतु प्रति सप्ताह दो कालांश निर्धारित हैं। परीक्षा एवं मूल्यांकन निम्न बिन्दुओं के आधार पर किया जाना है :–

(i) इस विषय के लिए विभिन्न परख व अर्द्धवार्षिक परीक्षा एवं वार्षिक परीक्षा तक सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कार्यों की परीक्षा/मूल्यांकन की अंकन व्यवस्था निम्नानुसार की जाये :–

प्रश्न पत्र	प्रथम परख	द्वितीय परख	तृतीय परख	अर्द्धवार्षिक परीक्षा	वार्षिक परीक्षा	योग
सैद्धान्तिक	10	10	10	20	50	100
प्रायोगिक	10	10	10	20	50	100
						200

(ii) अर्द्धवार्षिक परीक्षा तीनों परख तक 50 अंक का सैद्धान्तिक एवं 50 अंक का प्रायोगिक कार्य होगा।

(iii) इस विषय की वार्षिक परीक्षा सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 50 एवं प्रायोगिक 50 अंक की आयोजित होगी।

(iv) परीक्षा परिणाम 100+100=200 अंकों में से अन्य विषयों की भाँति निकाला जायेगा।

(v) इस विषय के प्राप्तांक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़े जायेंगे, किन्तु अंकों को अंकतालिका में दर्शाया जायेगा।

शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा : एक पत्र

समय : 2 घंटे **अंक : 100**

इकाई	विषय वस्तु	कालांश		अंक
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र		**सैद्धा.**	**प्रायो.**	
1.	शारीरिक शिक्षा–अवधारणा एवं उद्देश्य	3	–	9
2.	मानव शरीर–वृद्धि एवं विकास (किशोरावस्था)	3	–	9
3.	स्वास्थ्य शिक्षा–परिभाषा, महत्त्व एवं लक्ष्य	3	–	9
4.	स्वास्थ्य एवं पर्यावरण	3	–	9
5.	संतुलित भोजन (क्या खायें, क्या न खाये)	3	–	9
6.	प्राथमिक उपचार (चोट, मोच, आग के जलने, पानी में डूबना, नकसीर)	2	–	5
क्रियात्मक गतिविधियाँ				
7.	योग– सूर्य नमस्कार, आसन (एकाग्रता एवं स्मरण शक्ति विकासक) (शिथिलीकरण एवं योग निद्रा)	2	10	12
8.	विद्यालय में प्रचलित व्यायाम (क) सामान्य व्यायाम (i) खड़े हुए (ii) बैठे हुए (ख) साधन युक्त व्यायाम	–	10	12

	(i) झण्डी (पताका योग) (ii) दण्ड (लाठी योग)			
9.	जिमनास्टिक्स, करतब एवं पिरामिड (क्रियाओं का सरलीकरण)	–	4	7
10.	मनोरंजनात्मक एवं शैक्षणिक खेल (i) साधन का खेल (5 खेल) (ii) बिना साधन के (5 खेल)	–	5	7
11.	खेलों का विकास, मापन एवं नियम (कबड्डी, हॉकी, खो–खो, वॉलीबाल, ऐथेलेटिक्स)	–	6	12
12.	शारीरिक क्षमता परीक्षण (बेट्री टेस्ट) बल, लोच, गति, उछाल, दम। * वर्ष में 2 बार सत्रारम्भ (जुलाई–अगस्त) एवं सत्रांत (जन.–फर.) मूल्यांकन कर विद्यालय स्तर पर अभिलेख संधारण किया जावें एवं श्रेणी निर्धारण किया जावें।	–	6	*

निर्धारित पुस्तक :

शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा - I

विषय कोड
पूर्णांक : 100

इकाई–1 कम्प्यूटर का परिचय

कम्प्यूटर का परिचय : परिचय, कम्प्यूटर की परिभाषा, कम्प्यूटर के प्रकार, कम्प्यूटर की सीमाएं, कम्प्यूटर का वर्गीकरण, कम्प्यूटर के उपयोग, कम्प्यूटर की विशेषताएं, कम्प्यूटर की पीढ़ियां, मैमोरी : संख्या प्रणाली (नम्बर सिस्टम), बाईनरी संख्या प्रणाली, ऑक्टल संख्या प्रणाली, डेसीमल संख्या प्रणाली, हेक्सा डेसीमल संख्या प्रणाली, एक प्रणाली के अन्य में रूपान्तरण : सॉफ्टवेअर एंड हार्डवेअर, सॉफ्टवेअर के प्रकार, कम्प्यूटर भाषाएं, भाषा अनुवादक, ऑपरेटिंग सिस्टम, संग्रहण युक्तियां, फ्लापी डिस्क, हार्ड डिस्क, कॉम्पेक्ट डिस्क, रोम, फ्लैश ड्राइव, पैन ड्राइव, जिप ड्राइव, ब्लू रे डिस्क, इनपुट–आउटपुट युक्तियां, युक्तियों की आवश्यकता, की बोर्ड, माउस, जायस्टिक, स्कैनर, वैबकैम डीजिटल कैमरा, लाइट पैन, डिटिटाइजर, माइक्रोफोन, मॉनिटर, प्रिनटर, प्लोटर, स्पीकर, मल्टीमिडिया प्रोजेक्टर।

इकाई–2 संचार एवं इंटरनेट तकनीकी

कम्प्यूटर्स नेटवर्क : कम्प्यूटर संचार , संचार की आवश्यकता, संचार प्रेषण माध्यम, डाटा संचरण के रूप, कम्प्यूटर नेटवर्क परिचय, परिभाषा, कम्प्यूटर नेटवर्क की आवश्यकता, कम्प्यूटर नेटवर्क के प्रकार, कम्प्यूटर नेटवर्क की श्रेणियां, नेटवर्क टेपोलोजी, नेटवर्क युक्तियां, इन्टरनेट एवं इन्टरनेट तकनीकी – इन्टरनेट का परिचय, इन्टरनेट तकनीकी– डबल्यू डबल्यू डबल्यू (www), वेबसाईट, वेब पेज, वेब सर्वर, सर्च इंजन, ई–मेल, यू.आर.एल, एच.टी.टी.पी., डोमेन नेम, आई.पी. एड्रेस, एफ.टी.पी. डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।

इकाई–3 प्रोसेसिंग टूल्स

fo.Mkst % परिचय, विन्डोज के गुणधर्म, डेस्कटॉप, विन्डोज एसेसरीज, विन्डोज में फाइलस प्रबंधन, विन्डोज टॉस्कबार, स्टार्ट मेनु, एम. एस. ऑफीस, परिचय, नया डाक्यूमेंट बनाना, सेव करना, प्रिंट करना, फॉरमेटिंग टूल बार, पेराग्राफ फॉरमेटिंग, पेज फारमेंटिग, अन्डू, रीडू, हेडर फूटर डालना, स्पेलिंग व व्याकरण जांचना, ढूंढना व बदलना, चित्र डालना, टेबल बनाना व डालना, पेज नम्बरिंग व बार्डर व शैडिंग करना, पावर पोइन्ट, परिचय, प्रस्तुतिकरण बनाना, प्रिंट करना, प्रस्तुतिकरण के विभिन्न रूप, ऐनिमेशन प्रभाव डालना, स्लाइड ले आउटस।

इकाई–4 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं उसके सामाजिक प्रभाव

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग : सूचना एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग, सोशल नेटवर्किंग, ई लर्निंग, इन्टरनेट बैकिंग, ई बुकिंग, ऑनलाईन शापिंग, ई गर्वनेन्स, ई स्वास्थ्य, ई कामर्स, ई डिलाइनिंग एवं निर्माण, ई मित्र, सूचना एवं प्रौद्योगिकी के सामाजिक प्रभाव, सोशल नेटवर्किंग साइटस के प्रभाव, सायबर सुरक्षा, सायबर बुलिंग (Cyber Bulling) , इन्टरनेट एकडक्शन (Internet Addiction), प्लेजियारिज्म (Plagiarism), निजता, सूचना की विश्वसनीयता, सूचना की प्रमाणिकता।

निर्धारित पुस्तक :

सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1 : माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा

(S.U.P.W. & C.S.)

विषय कोड

समय : 30 कालांश **पूर्णांक : 100**

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
(क)	कक्षान्तर्गत अधिगम कार्य	
	(i) अनिवार्य प्रवृत्ति समूह	25
	(ii) वैकल्पिक प्रवृत्ति समूह	45
(ख)	पाँच दिवसीय शिविर	30

विद्यार्थियों को समाजोपयोगी उत्पादक कार्यो से तात्पर्य, उसकी आवश्यकता एवं वर्गीकरण यथा घर, विद्यालय एवं समुदाय से अवगत कराया जाये।

(क) कक्षान्तर्गत अधिगम कार्य –

(i) अनिवार्य प्रवृत्ति समूह

1. ईंधन बचाने एवं प्रदूषण कम करने के उपाय एवं साधनों का उपयोग, उनकी सामान्य जानकारी, रखरखाव एवं साधारण मरम्मत : स्टोव, गैस चूल्हा, वाहन। 05
2. निम्नलिखित का रखरखाव एवं साधारण मरम्मत : घरेलू पेयजल व्यवस्था एवं पानी का नल आदि, टॉर्च, इमरसन रॉड, बिजली का फ्यूज। 05
3. पोस्ट ऑफिस (डाकघर) सम्बन्धी निम्नलिखित सेवाओं की जानकारी एवं उनका उपयोग करने की क्षमता उत्पन्न करना –
   (i) बचत खाता (ii) पोस्टल ऑर्डर
   (iii) रजिस्ट्री (iv) स्पीड पोस्ट 05
4. विद्यालय प्रबन्धन :
   (i) वृक्षारोपण (ii) स्वच्छता
   (iii) वाटिका संरक्षण (iv) कचरा प्रबन्धन
   (v) खेल के मैदान का संरक्षण (vi) रास्तों का रखरखाव व संरक्षण 05
5. रेल्वे, बस समय सारणी एवं मार्ग के नक्शे पढ़ना और उनका उपयोग करना। विद्युत मीटर पढ़ना तथा उससे व्यय का अनुमान लगाना। 05

(ii) वैकल्पिक प्रवृत्ति समूह –

इस कार्य के लिये निम्नांकित अ, ब, स एवं द चार क्षेत्रों में प्रवृत्ति समूह दिये गये हैं। प्रत्येक समूह में से एक प्रवृत्ति संस्था प्रधान चुनकर कक्षान्तर्गत कार्य सम्पन्न करायेगे –

क्षेत्र (अ) प्रवृत्ति समूह : 10

1. निम्नलिखित का निर्माण :

वेसलीन, अमृतधारा बाम, टिंचर आयोडीन,दन्त मंजन, गौ आधारित सामग्री : गौमूत्र का अर्क व कीटनाशक।

2. वाउचर को आधार मानकर स्टॉक रजिस्टर तैयार करना (स्थायी एवं अस्थायी स्टॉक रजिस्टर)।
3. दैनिक खर्च लिखने का अभ्यास।
4. दैनन्दिनी लेखन।
5. व्यापारिक पत्र लेखन, ऑर्डर पत्र, शिकायती पत्र एवं सर्कूलर पत्र, सन्दर्भ पत्र एवं प्रुफ रीडिंग।

क्षेत्र (ब) प्रवृत्ति समूह : **10**

1. निम्नलिखित का निर्माण– अचार एवं मुरब्बा, आलू चिप्स, शर्बत, नीबू पानी, ओ.आर.एस. का घोल, लस्सी, जलजीरा आदि।
2. खाद्य सामग्री का प्राकृतिक रुप से संरक्षण– अनाज का संरक्षण, हरी सब्जियों एवं फलों का निर्जलीकरण एवं उनका रख–रखाव व पैकिंग।

क्षेत्र (स) प्रवृत्ति समूह : **10**

1. विभिन्न प्रकार के टाँके लगाना, कपड़ों की मरम्मत करना, हुक लगाना, काज बनाना और बटन टाँकना।
2. कढ़ाई और फेब्रिक पेंटिंग, कपड़ों पर कलफ लगाना बाटिक पेंटिंग।

क्षेत्र (द) प्रवृत्ति समूह : **10**

1. मोम, प्लास्टर ऑफ पेरिस, मिट्टी–कुट्टी से उपयोगी वस्तुएँ बनाना, जिल्दसाजी करना।
2. अनुपयोगी सामग्री से सजावट की वस्तुएं बनाना, रंगोली बनाना।

विशेष : (i) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा के उद्देश्यों के अनुरूप संस्था प्रधान उपर्युक्त अधिगम कार्यों के अतिरिक्त भी यदि सुविधा और आवश्यकतानुसार अन्य वैकल्पिक प्रवृत्ति प्रारम्भ करना चाहें तो बोर्ड को उस प्रवृत्ति की योजना भेजकर स्वीकृति प्राप्त कर प्रारम्भ करवा सकेंगे।

(ii) किसी भी एक प्रवृत्ति के कार्य सम्पादन एवं प्रदर्शन हेतु। **05**

(ख) पाँच दिवसीय शिविर : **30**

शिविर में शिक्षार्थियों को एक साथ रहने तथा मिलजुल कर कार्य करने के अधिक से अधिक अवसर प्रदान किये जायें, जिससे उसमें भावनात्मक एकता, साम्प्रदायिक सद्भाव और परस्पर सहयोग की भावना का विकास हो। वे मानवीय गुण, सहिष्णुता और स्वावलम्बन जैसे गुणों का विकास कर सकें। शिविर में निम्नलिखित कार्य आयोजनीय हैं :

1. सामुदायिक सेवा कार्य –

(i) स्थानीय सन्दर्भ में सामाजिक चेतना एवं राष्ट्रीय चेतना कार्य जैसे – टीकों का ज्ञान, साक्षरता का प्रसार, अल्प बचत, स्वास्थ्य ज्ञान, पर्यावरण एवं प्रदूषण, सहकारिता और नामांकन आदि।

(ii) वृक्षारोपण एवं रोपित वृक्षों के सुरक्षा कार्य।

(iii) सार्वजनिक स्थानों की सफाई, पनघट की सफाई एवं पानी के गढ्ढों में फिनाइल एवं केरोसीन डालना।

(iv) शिविर स्थल की सफाई और उनका सौन्दर्यीकरण।

(v) भोजन बनाना, भोजन परोसने की सेवाऐं, जल तथा प्रकाश व्यवस्था।

(vi) सेवा कार्य– वृद्वाश्रम, अनाथालय, पालनघर, दृश्यानुभूति व संवेदन हेतु भ्रमण व सेवा कार्य।

(vii) मेले, त्यौहार, सम्मेलन में जल सेवा, वाहन व्यवस्था व पदवेश (जूते) व्यवस्था।

2. सर्वेक्षण एवं संकलन कार्य –

(i) सर्वेक्षण एवं आलेख तैयार करना : सामाजिक, कुटीर उद्योग, घरेलू उद्योग, स्थानीय कृषि उपज, विभिन्न व्यवसाय, लोक कथा, लोक गीत, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, निरक्षरता, विद्यालय परित्याग करने वाले छात्र, टीके लगे शिशु, खेलों में दक्ष व्यक्ति, शिक्षित बालिकाएँ, बेरोजगार व्यक्ति आदि।

(ii) संकलन कार्य एवं आलेख तैयार करना।

(iii) पर्यावरण अध्ययन (भौगोलिक, प्राकृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं प्रदूषण सम्बन्धी)।

3. राष्ट्रीय भावात्मक एकता प्रायोजना कार्य –

इस क्षेत्र की प्रवृत्तियों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय भावात्मक एकता का विकास करना है। इस प्रयोजन की पूर्ति के लिए प्रवृत्तियों की क्रियान्विति निम्नांकित दो पक्षों को आधार बनाकर दी जा सकती है –

(i) महापुरूषों के जीवन चरित्र से सम्बंधित प्रवृत्तियाँ :

(क) शिविर में सम्भागी छात्रों के दल का नामकरण महापुरूषों के नाम पर करना।

(ख) सम्बन्धित महापुरूषों के जीवन चरित्र पर वार्ताएँ आयोजित करना।

(ग) सम्बन्धित महापुरूषों के कथन, सूक्तियों, विचारों आदि का संकलन करना।

(घ) सम्बन्धित महापुरूषों के जीवन–वृत्त, उल्लेखनीय घटनाओं का लेखन एवं चित्रण तथा चित्र संग्रह बनाना।

(ड़) सम्बन्धित महापुरूषों के जीवनवृत की महत्त्वपूर्ण घटनाओं की झाँकी प्रस्तुत करना।

(ii) देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर से सम्बन्धित प्रवृत्तियाँ :

(क) शिविर में सम्भागी छात्रों के प्रत्येक दल का स्वयं को एक राज्य विशेष से सम्बद्व करना।

(ख) सम्बन्धित राज्य की भौगोलिक स्थिति का अंकन, चित्रण एवं लेखन।

(ग) सम्बन्धित राज्य के विशिष्ट स्थानों (ऐतिहासिक, धार्मिक, औद्योगिक, राजनैतिक) से सम्बन्धित आलेख तैयार करना।

(घ) सम्बन्धित राज्य के साँस्कृतिक रूपों की प्रस्तुतियाँ : वेशभूषा अभिनय, गायन, झाँकी, नृत्य, संवाद, चित्रण, रीति–रिवाज आदि।

4. साँस्कृतिक एवं मनोरंजनात्मक कार्य –

(i) साँस्कृतिक कार्यक्रम : नृत्य, सामूहिक गीत, एकांकी, एकाभिनय, मूकाभिनय, प्रदर्शन आदि।

(ii) साहित्यिक कार्यक्रम : कविता पाठ, वाद–विवाद, समस्या पूर्ति, लघु कथा, कथन, चुटकले आदि।

(iii) कैम्प फायर (संवाद, लोकगीत, लोक भजन, नृत्य व अन्य कार्यक्रम)।

(iv) योगाभ्यास, व्यायाम एवं रोचक खेल।

उपर्युक्त साँस्कृतिक एवं मनोरंजनात्मक कार्यक्रमों के अन्तर्गत राष्ट्रीय चेतना एवं समाज–सुधार से सम्बंधित कार्यक्रम आयोजित किये जावें। दैनिक कार्यक्रम में व्यायाम से पूर्व प्राणध्वनि तथा शयन से पूर्व कार्योत्सर्ग तथा प्रेक्षाध्यान सम्मिलित किया गया है।

मूल्यांकन : इस विषय के प्रमुख लक्ष्यों के अनुरूप श्रम कार्यों एवं समाज सेवा कार्यों में संभागीत्व

के माध्यम से छात्रों में श्रम के प्रति रूचि, समाज सेवा कार्य में पहल एवं रचनात्मक अभिवृत्ति का निर्माण करना है। इसके लिए आवश्यक है कि एक ओर प्रवृत्ति में छात्र के निरन्तर सम्भागीत्व एवं दूसरी ओर उसके कार्य निष्पादन पर नजर रखी जाए। अतः मूल्याँकन के प्रमुखतः दो पक्ष होंगे –

(i) छात्र का संभागीत्व

(ii) उसका कार्य निष्पादन

प्रवृत्ति कार्यों का मूल्याँकन :

प्रवृत्ति कार्य समाप्ति पर प्रत्येक प्रवृत्ति के अन्त में सतत् आंतरिक मूल्याँकन द्वारा किया जाएगा। प्रवृत्ति अनुसार अंक विभाजन निम्नानुसार है –

	प्रवृत्ति		**अंक 100**
(1)	अनिवार्य प्रवृत्ति (प्रत्येक समूह के 05 अंक)		25
(2)	वैकल्पिक प्रवृत्ति (प्रत्येक समूह के लिये 10 अंक तथा 5 अंक किसी भी एक प्रवृति के कार्य सम्पादन एवं प्रदर्शन हेतु)		45
(3)	शिविर कार्य		
	(i) सामुदायिक सेवा कार्य	10	
	(ii) सर्वेक्षण एवं संकलन कार्य	05	**30**
	(iii) राष्ट्रीय भावात्मक एकता प्रायोजना कार्य	05	
	(iv) साँस्कृतिक एवं मनोरंजनात्मक कार्य	10	

पूर्णांक 100 में से अर्जित प्राप्ताँकों को निम्नानुसार ग्रेड परिवर्तित कर अंक तालिका में ग्रेडिंग प्रदान की जाए –

अंकों का प्रतिशत	0-20	21-40	41-60	61-80	81-100
ग्रेड	E	D	C	B	A
विवरण	सामान्य से नीचे	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्कृष्ट

विशेष :–

(i) प्रवृत्तियों के संचालन हेतु बोर्ड द्वारा जारी संदर्शिका का अवलोकन करें।

(ii) मूल्याँकन हेतु सामयिक परीक्षाओं का आयोजन अन्य विषयों की तरह किया जा सकता है।

निर्धारित पुस्तक :

1. **समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा (S.U.P.W. & C.S.)**
   कक्षा 9 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

कला शिक्षा

विषय कोड–83

इस विषय के पाठ्यक्रम को दो भागों में विभक्त किया गया है–

(क) चित्रकला (ख) संगीत एवं नाट्य

प्रत्येक खण्ड 50 अंक का व विषय के पूर्णांक 100 होगा।

समय : 3.15 घन्टे **पूर्णांक 100**

खण्ड–क चित्रकला

1. सैद्धान्तिक पक्ष **15**

(क) चित्रकला के तत्व (रेखा, रुप, वर्ण, तान, पोत, अन्तराल) का सामान्य ज्ञान 05

(ख) माध्यम एवं तकनीक (जल रंग, तेल रंग, एक्रेलिक रंग, टेम्परा, वाश, पेस्टल, भित्ति चित्रण, केलीग्राफी) 05

(ग) राजस्थान की लोक कलाएँ (रंगोली, माँडने, अल्पना, मेंहदी, गणगौर) 05

2. प्रायोगिक पक्ष **25**

(क) प्राकृतिक एवं मानव रचित आकारों के समूह (अधिकतम–3) का मुक्त हस्त रेखाँकन अभ्यास। पेंसिल छाया प्रकाश सहित। 10

(ख) लोक कलाओं में प्रचलित आकारों का आलंकारिक संयोजन। विभिन्न रंगों में जल रंग अथवा टेम्परा द्वारा पूर्ण करें। 1/4 इम्पीरियल शीट पर कलम द्वारा केलोग्राफी। 10

(ग) पेंसिल स्केच– प्राकृतिक एवं मानव निर्मित वस्तुओं का अथवा मानवाकृतियों का सरल रेखाँकन। 05

3. प्रस्तुति कार्य (सबमिशन वर्क) **10**

(i) प्रायोगिक पक्ष (क) के सत्र दौरान बनाये गये 4 कार्य। 2

(ii) प्रायोगिक पक्ष (ख) के सत्र दौरान बनाए गए 5 कार्य, जिसमें से एक केलोग्राफी से सम्बन्धित हो। 4

(iii) प्रायोगिक पक्ष (ग) के सत्र दौरान बनाये गये 20 कार्य। 4

नोट – (i) सत्रीय प्रस्तुतीय कार्य 1/4 इम्पीरियल शीट पर बनाकर संकलित कर फाइल के रूप में प्रस्तुत किए जाए।

(ii) प्रायोगिक पक्ष से सम्बन्धित चित्र सामग्री का प्रकाशन पुस्तक में किया जाएगा।

खण्ड–ख संगीत एवं नाट्य

1. सैद्धान्तिक पक्ष **20**

(क) संगीत कला में प्रयुक्त निम्नलिखित परिभाषाएँ– संगीत, नांद, श्रुति, स्वर, सप्तक, (मन्द्र,

मध्य एवं तार) आरोह–अवरोह 05

(ख) वाद्य यन्त्रों के प्रकार– 05

(i) तत् वाद्य (तार वाद्य)

(ii) अवनद्ध वाद्य

(iii) घन वाद्य

(iv) सुषिर वाद्य

(ग) राजस्थानी लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी– 05

(i) लोक गीत

(ii) लोक वाद्य

(iii) लोक नृत्य

(घ) नाटक की सामान्य जानकारी 05

एकांकी, एकाभिनय, मूकाभिनय, लोक नाट्य, नुक्कड़ नाटक।

2. प्रायोगिक पक्ष **20**

(क) निम्नलिखित गीतों का अभ्यास– 05

राष्ट्र गान, राष्ट्र गीत (वन्दे मातरम्) प्रार्थना

(ख) प्रादेशिक लोक गीत, देश भक्ति गीत 05

(ग) राजस्थानी लोक वाद्य यन्त्रों के नामाँकित चित्र बनाना। 05

(घ) कक्षा–9 से सम्बन्धित किसी भी विषय की कहानी या कविता का नाट्य मंचन। 05

3. प्रस्तुति कार्य (सबमिशन वर्क) **10**

(क) प्रायोगिक पक्ष के गीतों आदि की लिखित रुप से फाइल बनाना। अवसर विशेष पर गाए जाने वाले गीतों का संग्रह जैसे– तीज त्यौहार, विवाह, लोक पर्व के गीत इत्यादि। 04

(ख) राजस्थानी लोक संगीत (गायन, वादन, नृत्य) से सम्बन्धित 10 चित्रों का संग्रह। 04

(ग) मंच व्यवस्था एवं रूप सज्जा से सम्बन्धित विभिन्न चित्रों का संग्रह। 02

पूर्णांक 100 में से अर्जित प्राप्ताँकों को निम्नानुसार ग्रेड परिवर्तित कर अंक तालिका में ग्रेडिंग प्रदान की जाए –

अंकों का प्रतिशत	0-20	21-40	41-60	61-80	81-100
ग्रेड	E	D	C	B	A
विवरण	सामान्य से नीचे	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्कृष्ट

निर्धारित पुस्तक :

1. **कला कुन्ज –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान,
अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

कक्षा–9

2017

कक्षा 9 प्रवेशिका परीक्षा – 2017

कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा, 2017 के लिए आवश्यक निर्देश

1. विवरणिका के इस भाग में कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा 2017 का पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकें, जो शैक्षणिक सत्र 2016–2017 के लिए हैं, दी गई हैं।
2. कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा के लिये निर्धारित अवधि एक वर्ष है एवं यह परीक्षा विद्यालय स्तर पर बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित होगी। इस हेतु विवरणिका में वार्षिक परीक्षा – योजना प्रस्तावित की गई है, किन्तु इस सम्बन्ध में इसकी क्रियान्विति विभागीय निर्देशों के सन्दर्भ में की जायेगी।
3. विषयों के शिक्षण के लिए प्रति सप्ताह निर्धारित कालांश :–

क्र.सं.	विषय	कालांश
	1. भाषायें :–	
	(1) हिन्दी	6
	(2) अंग्रेजी	6
	(3) संस्कृतम् (विशेष)	9
	2. विज्ञान	6
3.	सामाजिक विज्ञान	6
4.	गणित	8
5.	व्यावसायिक शिक्षा (अतिरिक्त वैकल्पिक विषय) कोई एक	6
	(i) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य (ii) स्वास्थ्य देखभाल (iii) सूचना प्रौद्योगिकी	
	(iv) निजी सुरक्षा (v) रिटेल (vi) ट्रेवल एवं टूरिज्म	
	(vii) ऑटोमोबाइल (viii) इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स	
	(ix) Apparel Made ups & Home Furnishing	
	(x) Micro Irrigation Technician (Agriculture)	
	(नोट– इस विषय के शिक्षण के लिए विद्यालय में अतिरिक्त समय की व्यवस्था की जाए)	
6.	समाजोपयोगी योजनाऐं	2
7.	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा (खेल प्रवृत्तियां '0' कालांश)	2
8.	सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1	2
9.	(1) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा	1+'0'
	(2) कला शिक्षा	(कालांश)
10.	नैतिक शिक्षा : प्रार्थना के साथ तथा अन्य सभी विषयों के अध्ययन के साथ समाहित	
11.	पुस्तकालय : पुस्तकालय से पुस्तकों का आदान–प्रदान '0' कालांश/मध्य अन्तराल में	

नोट : ऐसे विद्यालय जहाँ कम्प्यूटर लेब की सुविधा नहीं है, वहाँ के संस्था प्रधान, पाठ्यक्रम एवं शाला की स्थानीय आवश्यकता के अनुसार 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' के लिए निर्धारित कालांशों का समायोजन अन्य विषयों के शिक्षण में कर सकते हैं।

नोटः

1. परीक्षा प्रश्न पत्र की अवधि 3 घण्टे 15 मिनट है।

2. (A) शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा तथा 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' के प्राप्तांक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़े जायेंगे। इन विषयों के प्राप्तांको को अंकतालिका में दर्शाया जायेगा। 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' हेतु राज्य सरकार/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम निर्देशों का अवलोकन करें एवं तद्नुसार कार्यवाही करें।

(B) समाजोपयोगी योजनाऐं विषय में उत्तीर्ण होना अनिवार्य हैं, लेकिन प्राप्तांक श्रेणी निर्धारण में नहीं जोड़े जायेगें।

3. मूक बधिर छात्रों को अंग्रेजी व तृतीय भाषा की छूट रहेगी। यह छूट नियमित एवं स्वयंपाठी के लिए लागू रहेगी।

4. कला शिक्षा के पाठ्यक्रम को दो भागों में विभक्त किया गया है–(1) चित्रकला (2) संगीत एवं नाट्य। विद्यार्थी दोनों खण्डों का अध्ययन करेगें। दोनों के पूर्णांक 50+50 =100 होंगे।

5. ऐसे विद्यालय जहाँ कम्प्यूटर लेब की सुविधा नहीं है, वहाँ के संस्था प्रधान, पाठ्यक्रम एवं शाला की स्थानीय आवश्यकता के अनुसार 'सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1' के लिए निर्धारित कालांशों का समायोजन अन्य विषयों के शिक्षण में कर सकते हैं।

6. न्यूनतम उत्तीर्णांक 36% निर्धारित किये गये हैं जो शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों से प्रवृत्त हैं।

7. संस्कृत विषय के दो पत्र होगे। प्रत्येक का पूर्णांक 100–100 अंक होगा। प्रथम प्रश्न पत्र व्याकरण शास्त्र एवं द्वितीय प्रश्न पत्र गद्य, पद्य, रचना एवं कोष का होगा।

8. हिन्दी एवं अंग्रेजी के एक एक प्रश्न पत्र 50–50 अंक के होगे तथा पुस्तकें माध्यमिक कक्षा–9 की यथावत रहेगी।

कक्षा 9 (प्रवेशिका) परीक्षा, 2017 के लिए परीक्षा योजना (एकल प्रश्न पत्र प्रणाली)

क्र.सं.	विषय	प्रश्न पत्र	समय (घण्टे)	प्रत्येक पत्र के अंक	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	
1	2	3	4	5	6	7	
1.	**भाषायें :**						न्यूनतम उत्तीर्णांक विभागीय नियमानुसार होगे।
	(1) हिन्दी	एक पत्र	3.15	50	50	18	
	(2) अंग्रेजी	एक पत्र	3.15	50	50	18	
	(3) संस्कृतम् (विशेष)	प्रथम पत्र	3.15	100	100	36	
		द्वितीय पत्र	3.15	100	100	36	
2.	**विज्ञान**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
3.	**सामाजिक विज्ञान**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
4.	**गणित**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
5.	**व्यावसायिक शिक्षा (अतिरिक्त वैकल्पिक विषय) कोई एक (केवल चयनित विद्यालयों में)**	एक पत्र	2.00	30	30	11	
		सत्रांक	-	30	20	–	
		प्रायोगिक	3.00	50	50	18	
6.	**समाजोपयोगी योजनाऐं**	एक पत्र	3.15	100	100	36	
7.	**शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा (विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन)**	एक पत्र	3.15	30	100	–	
		प्रायोगिक	0.30	70			
8.	**सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1 (विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन)**	एक पत्र	3.15	70	100	–	
		प्रायोगिक	2.00	30			
9.	**(i) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा**	**विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन**		100	इन विषयों का अंकतालिका में ग्रेडिंग का अंकन होगा।		
	(ii) कला शिक्षा			100			

हिंदी पाठ्यक्रम (प्रवेशिका)

विषय कोड :

समय 3.15 घंटे **पूर्णांक : 50**

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	05
रचना	7½
व्यावहारिक व्याकरण	7½
आधार पुस्तक– प्रबोधिनी	20
पूरक पुस्तक– प्रबोधिनी	10

खण्ड–1

अपठित बोध **05 अंक**

(क) अपठित गद्यांश 2½

(ख) अपठित पद्यांश 2½

खण्ड–2

रचना **7½ अंक**

निबन्ध लेखन 05

पत्र लेखन (प्रार्थना पत्र, शिकायती पत्र, पारिवारिक पत्र) 2½

खण्ड–3

व्यावहारिक व्याकरण **7½ अंक**

संज्ञा, सर्वनाम 01

संधि, उपसर्ग, प्रत्यय 2½

पर्यायवाची, विलोम शब्द 02

शब्द शुद्धि 01

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द 01

खण्ड–4

आधार पुस्तक **20 अंक**

(क) 1 व्याख्या गद्य भाग से (विकल्प सहित) 2½

(ख) 1 व्याख्या पद्य भाग से (विकल्प सहित) 2½

(ग) 2 निबन्धात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से विकल्प सहित) $2 \times 2\frac{1}{2} = 05$

(घ) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 गद्य एवं 2 पद्य भाग से) $4 \times 1\frac{1}{2} = 06$

(ङ) 2 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से) $2 \times 1 = 02$

(च) किसी एक रचनाकार का परिचय (कवि एवं लेखक विकल्प सहित) 02

खण्ड–5

पूरक पुस्तक **10 अंक**

(क) 1 निबन्धात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) 04

(ख) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न (5 में से कोई 4 प्रश्न)

4

English (प्रवेशिका)

Subject Code : 02

Time : 3.15 Hours **Marks : 50**

Area of Learning	Marks
Reading	05
Writing	10
Grammar	15
Text book : **Insight**	15
Supp. Book : **Gems of Fiction**	05

(1) Reading **05 Marks**

One unseen passages for comprehension of about 250 words
(Besides comprehension questions, gramatical items should also be tested) 05

(2) Writing **10 Marks**

(i) Letter writing
Informal - personal, such as to family and friends.
Formal - letters to the editor/the principal of school.
Email - to the principal of the school or to the
editor of a newspaper or a magazine. 3½

(ii) Short paragraph - speech or debate type, based on outline
one out of two (Limit : 60 to 80 words) 3½

(iii) Short writing task in the form of dialogue or story
on the basis of some hints (Limit : 50 to 70 words) 03

(3) Grammar **15 Marks**

(i) Tenses (present, past and future) 02
(ii) Modals (can, could, may, might, should, must, etc.) 02
(iii) Subject Verb agreement 02
(iv) Narration 02
(v) Antonyms/Synonyms 02
(vi) Parts of speech 04
(vii) One word substitution 01

(4)	**Insight**	
	Prose	**10 Marks**
(i)	One passage from the text book for comprehension (limit 200 words) (Besides comprehension question, gramatical items should also be tested)	05
(ii)	Three short answer type questions (out of five, to be answered in 30 words each)	03
(iii)	One long answer type question (out of two, to be answered in 60 words each)	02
	Poetry - Insight	**05 Marks**
(i)	One out of two reference to the context from the prescribed poems	02
(ii)	Two out of three short answer type questions on interpretation of themes and ideas of the prescribed poems.	03
	Supplementry Reader -Gems of Fiction	**05 Marks**
(i)	One out of two long answer type questions based on characters, plot or situation in the lessons.	02
(ii)	Two out of four short answer type questions.	03

निर्धारित पुस्तक :

1. **Insight** – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
2. **Gems of Fiction** – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
2. **Road Safety - Appendix - II**

संस्कृतम् (व्याकरणम्) : प्रथम पत्रम्

(प्रवेशिका परीक्षा)

(व्याकरण-शास्त्रम्)

पूर्णाङ्काः 100

बिन्दवः	विषय-वस्तु	अङ्काः
1	व्याकरणशास्त्रस्य परिचयः, अध्ययनस्य उद्देश्यम्, प्रमुखाः वैयाकरणाः तेषां कृतयश्च। पाणिनिः, कात्यायनः, पतञ्जलिः।	4
2	सूत्रस्य लक्षणं तद्भेदाश्च, व्याख्यानस्य लक्षणं तद्भेदाश्च।	4
3	व्याकरणशास्त्रस्य पारिभाषिक-शब्दाः- उपदेशः, आगमः, आदेशः, लकारः, अनुनासिकः, अननुनासिकः, समासः, सन्धिः, उपधा, गुणः।	4
4	लघुसिद्धान्त-कौमुदी (संज्ञा-प्रकरणम्) माहेश्वर-सूत्राणि, प्रत्याहारः, इत्-लोप-उदात्त-अनुदात्त-स्वरित-सवर्ण-प्रत्यय-संहिता-संयोग-पदसंज्ञानां ज्ञानम्, उच्चारणस्थानानि, आभ्यन्तर-बाह्य-प्रयत्नाः।	8
5	अच्संधिगत-प्रयोगसिद्धिः सूत्रार्थश्च।	20
6	हल्संधिगत-प्रयोगसिद्धिः सूत्रार्थश्च।	15
7	विसर्गसंधिगत-प्रयोगसिद्धिः सूत्रार्थश्च।	5
8	कारक-प्रकरणम् निर्धारितसूत्राणि (अष्टाविंशतिः)	15

(1) प्रातिपदिकार्थ-लिङ्ग-परिमाण-वचनमात्रे प्रथमा
(2) सम्बोधने च
(3) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(4) कर्मणि द्वितीया
(5) अकथितं च
(6) अधिशीङ्स्थासां कर्म
(7) उपान्वध्याङ्वसः
(8) लक्षणेत्थम्भूताख्यान-भाग-वीप्सासु प्रतिपर्यनवः
(9) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे
(10) साधकतमं करणम्
(11) कर्तृकरणयोस्तृतीया
(12) सह-युक्तेऽप्रधाने
(13) येनाङ्गविकारः
(14) इत्थंभूतलक्षणे
(15) हेतौ
(16) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्
(17) चतुर्थी सम्प्रदाने

(18) वा. तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
(19) नमः स्वस्ति-स्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च
(20) ध्रुवमपायेऽपादानम्
(21) अपादाने पञ्चमी
(22) जनिकर्तुः प्रकृतिः
(23) षष्ठी शेषे
(24) कर्तृकर्मणोः कृति
(25) आधारोऽधिकरणम्
(26) सप्तम्यधिकरणे च
(27) षष्ठी चानादरे
(28) यतश्च निर्धारणम्

9 अभ्यासपुस्तकम्-सम्भाषणाय विविधाव्ययादिशब्दानां ज्ञानम् 25

निर्धारित पुस्तकम् - व्याकरण कौमुदी (प्रथमो भागः)

संस्कृतम् (द्वितीय-पत्रम्)

(गद्यम्, रचना, पद्यम्, छन्दः, कोषश्च)

पूर्णाङ्काः 100

बिन्दवः	विषय-वस्तु	अङ्काः
1. गद्य-काव्यम्		**30**
(क)	पाठ्यपुस्तकस्य एकस्य गद्यस्य सप्रसंग-व्याख्या	10
(ख)	भावार्थ-लेखनम्	5
(ग)	अतिलघूत्तरात्मकाः पञ्च प्रश्नाः	5
(घ)	लघूत्तरात्मकौ द्वौ प्रश्नौ	5
(ङ)	कस्यापि एकस्य पाठस्य संस्कृते सारांशलेखनम्	5
	पाठाः	
	(1) प्रस्ताविका	
	(2) मित्रलाभः	
	(3) वृद्ध-व्याघ्रपथिक -कथा	
	(4) कपोत -मूषक -कथा	
	(5) मूषक -परिव्राजक -कथा	
	(6) सञ्चयशील-जम्बुक -कथा	
2. रचना - निबन्धाः, पत्राणि, धातु शब्द रूपाणि च।		**20**
(क)	**निबन्धः**- संस्कृतभाषा, विद्या, सदाचारः, परोपकारः, नारीशिक्षा, पर्यावरणम्, विवेकानन्दः। एतेषु एकः निबन्धः।	5
(ख)	**पत्रम्** - अवकाशार्थम्, शुल्कमुक्त्यर्थम् , स्थानान्तरण- प्रमाणपत्र- प्राप्त्यर्थम् अथवा मात्रे / पित्रे, भ्रात्रे, मित्राय वा पत्र-लेखनमेकम्।	5

(ग)	**शब्द-रूपाणि** राम, हरि, गुरु, रमा, नदी, पितृ, मति, फल।	5
(घ)	**धातु-रूपाणि** भू, पठ्, लिख्, गम्, स्था, दृश्, नम्, पच्, पा, सेव्, याच्, नी, इत्यादि धातूनाम् एतदनुसारं रूपवताम् अन्येषां धातूनाम्, लट्, लोट्, लङ्, लृट्, विधिलिङ् । एतेषु पञ्च लकारेषु अभ्यास:।	5
3.	**पद्य-काव्यम्**	**30**
	(क) एकस्य पद्यस्य सप्रसङ्गान्वय-व्याख्या	10
	(ख) सप्रसङ्ग-भावार्थ: (एकस्य पद्यस्य)	5
	(ग) अतिलघूत्तरात्मका: पञ्च प्रश्ना:	5
	(घ) विषय-वस्तु सम्बन्धिन: लघूत्तरात्मकौ द्वौ प्रश्नौ (उत्तरसीमा च विशंति: शब्दा:)	5
	(ङ) कृति: कृतिकारश्च तत्सम्बन्धिनौ लघूत्तरात्मकौ द्वौ प्रश्नौ	5
	पाठा: (1) योग शिक्षा - श्री बहादुरसिंह गुर्जर: (2) नारीमहिमा- डॉ. सतीश कपूर: (3) नीतिश्लोका: - नीतिशतकात् (4) भीमाष्टकम् -श्रीधरभास्करवर्णेकर: (5) पर्यावरणम् - पं प्रभुदत्त आत्रेय:	
4.	**छन्दांसि**	**15**
	(क) गणलक्षणम्, चिह्नम्, उदाहरणम्, लघु-गुरु-विचार:, गणसूत्रम्, यति-पाद-लक्षणञ्च (तत्समबन्धिनौ द्वौ प्रश्नौ)	2
	(ख) छन्दसां लक्षणानि	5
	(ग) छन्दसाम् उदाहरणानि	5
	(घ) छन्दसाम् अपठितोदाहरणेषु छन्दोनिर्धारणम् **पठनीयानि छन्दांसि** आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति:, भुजङ्गप्रयातम्, वंशस्थवृत्तम्, द्रुतविलम्बितम्	3
5.	**कोष:** दैनिक-व्यवहारोपयोगिशब्दानां ज्ञानम्। एकशतं निर्धारित-शब्दानां ज्ञानम् (फल-पशु-पक्षि-सम्बन्धि-दैनिकोपयोगि वस्तु-भोजनसामग्री-अध्ययनादि-सम्बन्धित-शब्दा:)	**5**

निर्धारित पुस्तकम् - काव्य कौमुदी (प्रथमो भाग:) – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

APPENDIX - I

Road Safety

ENGLISH

CLASS IX

To be studied with
GEMS OF FICTION Text book

Comprehension Passage

Read the following poem and answer the questions that follow :

Death of An Innocent

I went to a party, mom, I remember what you said,
you told me not to drink, mom, so I drank soda instead,
I didn't touch a drink, mom, though everyone said I should,
I really felt proud inside, mom, just the way you said I would.

I know I did the right thing, mom,
I know you're always right,
Now the party is finally ending, mom,
and everyone's driving out of sight.
As I got into my car, mom,
I knew I'd get home in one piece,
Because of the way you raised me, mom,
so reponsible and sweet.

I started drive away, mom,
but as I pulled out onto the road,
The other car didn't see me,
mom and hit me like a load.
As I lie here on the payement, mom,
I hear the policeman say,
The other guy is drunk, mom, and now I'm the one who'll pay.

I'm lying here dying. mom, I wish you'd get here soon.
How could this happen to me, mom? My life burst like a balloon.
There's blood all around me, mom, and most of it is mine,
I hear the medico say, mom, I'll die in a short time.

I just wanted to tell you, mom, I swear I didn't drink,
It was the others, mom. The others didn't think.
He was probably at the same party as I,
The only difference is, he drank and I will die.

Why do people drink, mom? It can ruin your whole life,
I'm feeling sharp pains now, mom, pains just like a knife.
The guy that hit me is walking, mom. I don't think it is fair,
I'm lying here dying. mom, all he can do is stare.

Tell my brother not to cry, mom,
Tell daddy to be brave.
And when I go to heaven, mom,
Put "daddy's girl" on my grave.
Someone should have told him. mom, not to drink and drive.
If only they had told him, mom, I would still be alive.

My breath is getting short, mom, I'm becoming very scared.
Please don't cry for me, mom.
When I needed you, you were always there.
I have one last question, mom, before I say goodbye.
I didn't drink and drvie, mom, so why am I the one to die ?

Q1 Who is the speaker of the above lines ?
Q2 Who is he/she speaking to ?
Q3 What do we know about the speaker and his/her character ?
Q4 How old is the speaker of the above lines?
Q5 Which scene has been described in the poem ?
Q6 What do we know about the other driver ?
Q7 What social problem does the speaker's plight bring to our mind ?
Q8 What do you know about teenage driving?
Q9 Why are so many teenagers involved in car accidents?
Q10 The last two verses of the poem bring about a sense of .....
and ..... and make us feel very ..... about
.....
Q 11 Suggest another appropriate tittle for the poem.

Follow Up Activity :
The name of the drunk driver of the above poem was Mark Jones. Work in groups and have a mock trial in class: The State against Mark Jones. You need a prosecutor, lawyers, witnesses and a judge, of course.

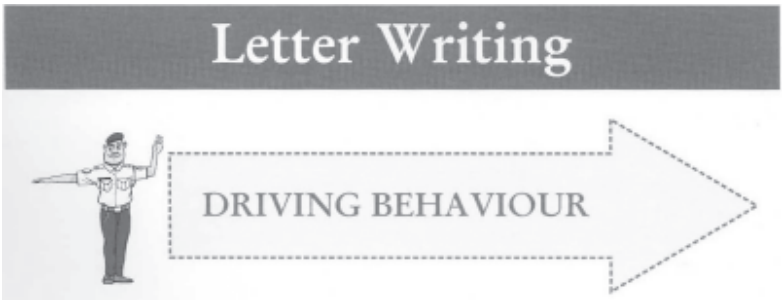

Letter Writing

News

Driving behaviour is an extension of public behaviour.. Social scientists say that " we are unable to ever 'give way', lest this be seen as a weakness". Seldom is the right of way given to an ambulance, while it is considered smart to jump queues at toll gates or violate a red-light traffic signal. Following the rules. it seems, is left to the meek. [The Economics Times]

You have just read the above article in the Economic Times. Write a letter to the editor expressing your concern over the ever increasing number of accidents on our roads today. Site inexperience, risk taking, lack of hazard perception, non existent road culture and apathy towards rules and regulations as major causes that lead to accidents. (150-200 wards)

....

....

....

....

....

....

People take unnecessary risk by violating trafic rules

Article Writing

S.No.	OFFENCES	MAXIMUM PENALTY	SECTION
2.1.1	Driving by Minor.	Rs. 500/-	4r/w 181 MVA
2.1.2	Allowing Unauthorized person to drive	Rs. 1000/-	5r/w180MVA
2.1.3	Driving without Helmet	Rs. 100/-	129r/w177 MVA
2.1.4	Seat Belts not fastened.	Rs. 100/-	138(3)CMVR 177 MVA
2.1.5	Roug/Rash/Negligent Driving	Rs. 1000/-	184 MVA
2.1.6	Dangerous or hasty Driving	Rs. 1000/- and/or imprisonment (6 months)	112-183MVA
2.1.7	Not Driving in Proper Lane.	Court Challan	66r/w192MVA
2.1.8	Driving in the Center and not to left side	Rs. 100/-	2 RRRr/w177 MVA
2.1.9	Driving against One Way.	Rs. 100/-	17(i)RRR177MVA

S.No.	OFFENCES	MAXIMUM PENALTY	SECTION
2.1.10	Driving Under influence of Alcohol/	Rs. 2000/- and/or imprisonment (6 months)	185 MVA
2.1.11	Taking "U" turn during outlawed hours	Rs. 100/-	12 RRR 177 MVA
2.1.12	Using Mobile Phone while Driving	Up to 1000/-	184 MVA
2.1.13	In case of a minor Accident	Rs. 1000/-	184MVA
2.1.14	Failing to Carry on left of traffic island	Rs. 100/-	2 RRR 177 MVA
2.1.15	Playing music while Driving	Rs. 100/-	102/177MVA
4.7	Using horn in Silence Zone	Rs. 100/-	21(ii) RRR 177 MVA
5.1	Using Vehicle in Unsafe Conditions	Court Challan	192 MVA
5.2.	When motor Vehicle is out of state for more than 12 months	Rs. 100/-	47-177MVA
5.3	Particulars to be printed on transport vehicles	Rs. 100/-	84(G)-177 MVA
5.4	Without Wiper	Rs. 100/-	CMVR 101 5,12/177 MVA
5.4	Without Side Mirror	Rs. 100/-	5,7/177MVA
5.5	Defective tyres	Rs. 100/-	CMVR 94
5.6	No indication board on left hand drive vehicle	Rs. 100/-	120,177 MVA
5.7	Sale of motor vehicle/ aleteration of motor vehicle in contravention of Act.	Rs. 300/-	52/191 MVA 31/192.66/192 MV Act
5.8	Vehicles fitted with dark glasses/ Sun films	Rs. 100/-	100 CMVR 177 MVA

S.No.	OFFENCES	MAXIMUM PENALTY	SECTION
5.9	Driving without proper number plate/ illuminating rear number plate	Rs.100/-	236 MMVR 177 MVA
5.10	Failing to display public carrier board	Rs.100/-	116 MMVR 177 MVA
5.11	Using Private vehicle for commercial Purposes	Rs.5000/- (not less than Rs. 2000/-)	
5.12	Any sort of misconduct with passengers, not wearing uniform/ not displaying badge	Rs.100/-	MMVR 21 (18)177 MVA
5.13	Overloading a goods vehicle	Rs.2000/- plus Rs. 1000/- for every additional ton.	MMVR 93(u)(i) 177MVA
5.14	Carrying goods in a dangerous or hazardous manner	Imprisonment and/ or fine of Rs.3000/-	29 RRR 177 MVA
5.15	Infringement of permit conditions	Imprisonment and/or fine of Rs.5000/- (not less than Rs.2000/-)	
5.16	Use of Colored light on Vehicle	Rs. 100/-	97(2) 177 DMVR
6.1	Plying in No ENTRY Time	Upto 2000/-	115/194 MVA
6	Violation of Time Table	Court Challan	11/177,2/177 66/192 MVA
6.2	High and long/Load in Vehicles	Rs. 100/-	29 RRR/ 177MVA
6.3	Carrying animals in goods vehicles in Contravention of rules	Rs. 100/-	MMVR 83 177 MVA
6.4	Carrying persons dangerouly or carrying persons in goods vehicles	Rs. 100/-	MMVR 108 177 MVA
6.6	Dangerous projection of goods	Rs. 100/-	229 MMVR 29 RRR 177 MVA

S.No.	OFFENCES	MAXIMUM PENALTY	SECTION
6.7	Carrying goods unsecured	Rs. 100/-	MMVR 202 177 MVA
6.8	Carrying goods more than 11 feet high	Rs 100/-	MMVR 93 (u)(i) 177 MVA
6.9	Load on Tail Board	Rs. 100/-	MMVR 202 177 MVA
6.10	Misbehavior by Taxi/TSR Driver	Rs. 100/-	11(3)/177DMVR
6.11	Over Charging by Taxi/TSR Driver	Rs. 100/-	11(8)/177DMVR
6.12	Charging without Meter	Rs. 100/-	11(3)/177DMVR
6.13	Refusal by Taxi/TSR Driver	Rs. 100/-	11(9)/177DMVR
6.14	Driver without Uniform	Rs. 100/-	7/177DMVR
6.14	Driver without Badge	Rs. 100/-	22(1)/177DMVR
6.15	Conductor without Uniform	Rs. 100/-	23(1)/177DMVR
6.16	Conductor without Badge	Rs. 100/-	23(1)/177DMVR
6.17	Stopping without Bus stop	Court Challan	66/192 MVA
6.18	Power to detain Vehicle used in contravention of section 3.4,39 or 66(1) MV Act.	Court Challan	207(1) MVA
7.1	Paking in the direction of flow of traffic	Rs. 100/-	22(a) RRR 177 MVA
7.2	Parking away from footpath towards road.	Rs. 100/-	15(2) RRR 177 MVA
7.3	Parking against flow of traffic	Rs. 100/-	15(2) RRR 177 MVA

S.No.	OFFENCES	MAXIMUM PENALTY	SECTION
7.4	Parking causing Obstruction	Rs. 100/-	15(2) RRR 177 MVA
7.5	Parking on a Taxi Stand	Rs. 100/-	15(2) RRR 177 MVA
7.6	Parking in not any prescribed manner	Rs. 100/-	15(1) RRR 177 MVA
7.7	Parking at any Corner	Rs. 100/-	15(1) RRR 177 MVA
7.8	Parking within 15 meters on either side of Bus Stop	Rs. 100/-	15(2) RRR 177 MVA
7.9	Parking on Bridge	Rs. 100/-	15(2)(i) RRR 177 MVA
7.10	Parking at Traffic Island	Rs. 100/-	15(1) RRR 177 MVA
7.11	Parking "No Parking" Area	Rs. 100/-	15(2) RRR 177 MVA
7.12	Parked on Pedestrian Crossing	Rs. 100/-	15(2)(iii) RRR 177 MVA
7.13	Parking on Footpath	Rs. 100/-	15(2)(ii) RRR 177 MVA
7.14	Parking in front of a gate	Rs. 100/-	15(2)(viii) RRR 177 MVA
7.15	Parking causing obstruction	Rs. 100/-	15(1) RRR 177 MVA

RRR: Rules of Road Regulations 1989 MVA : Motor Vehicle Act 1988
MMVR: Maharasthra Motor Vehicles Rules 1989 CMVA: Central Motor Vehicles Rules 1989

Parking on footpath or in front of a gate can cause obstruction

You are Adarsh Srivastava, Head boy of Sainik School Korakunda. You have been asked to write an article on ' Punishable Road Offences' for your school magazine in order to sesitize school students about driving malpractices and their punishments. Write the Article in not more than 200 words using the above table for referencce.

Grammar Exercise

Complete the following passage by filling in appropriate words:

CHANDIGARH: When singers were reluctant to pen .... verses on the “dry subject” of traffic rules .... road safety, 41 year. old head constable Desh Raj of the Traffic Police decided to put his passion .... poetry and singing to good use.

Writing poems on road safety, need....................... helmets for women, the hazards of drunk driving and the like, Desh Raj’s first poem was .... over speeding. He even staged a play on Duryodhan chasing Draupadi on the roads, breaking rules, ... Road Safety Week celebrations.

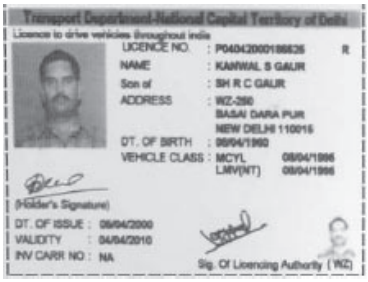

The head constable holds court .... the Children’s Traffic Park in Sector 23. He enjoys sessions on road safety .... school children, peppers them with couplets, incorporates movies on .... serious issue, gathers informative reading material and gives practical demonstrations .... training.

“For classes V to X traffic sessions deal................. minor security issues. Class X onwards, teenagers are taught the importance of driving with license and the responsibility every driver must have. We ask students ....share their experience at th Traffic Park with .... friends and others to spread traffic awareness, “said Raj.

Many organisations and Army units invite ..... for interactive sessions. Swelling with pride, Desh Raj tells, " Intelligent people will always appreciate public safety ." His collegues call him ..... department hero.

Note :-

This passage salutes an individual's efforts to sensitize us to a burning social issue and reiterates the fact that an individual CAN make a difference. Let's work towards safe and accident free roads. We owe it to ourselves.

Follow Up Activity :

Use the internet to read up articles about children who have organized campaigns on road safety in their neigborhoods. Bring two of your favourite articles to school and share them with your friends.

APPENDIX- II

पढ़ो, जागो,
अपने अधिकार पहचानों

बालक देश का भविष्य है। वही देश का भाग्य निर्माता है। देश का समग्र विकास बालकों पर निर्भर है। ऐसा कहा जाता है कि जैसा आज का बालक होगा वैसा ही कल का भारत होगा। अतः बालकों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक दृष्टि से सुदृढ़ एवं सुसंस्कारित होना आवश्यक है। यही कारण है कि बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए भारत के संविधान और कानूनों में उन्हें कई महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए गए है और उनके हितों को संरक्षण प्रदान किया गया है।

आपके अधिकारों से आपको अवगत कराने एवं उनकी प्राप्ति में सहायक बनने हेतु एवं विधिक सहायता के विभिन्न कार्यक्रमों को सम्पूर्ण राज्य में अमल में लाने तथा उनकी मॉनिटरिंग करने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत निम्नानुसार व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय स्तर पर – राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली
राज्य स्तर पर – राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जिला स्तर पर – जिला विधिक सेवा प्राधिकरण
तालुका स्तर पर – तालुका विधिक सेवा समिति

बालकों के महत्वपूर्ण अधिकार
जीवन जीने का अधिकार

हमारे संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रत्येक व्यक्ति को, जिसमें बालक भी सम्मिलित है, जीवन जीने का अधिकार प्रदान किया गया है। इतना ही नहीं उसे सम्मानजनक एवं मानव गरिमा युक्त जीवन जीने का अधिकार है। बालक को इस अधिकार से अवैध रूप से वंचित नहीं किया जा सकता। राज्य का यह कर्तव्य है कि वह बालक की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करे।

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार

छः से चौदह वर्ष के प्रत्येक बालक को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा में प्रत्येक बालक को निःशुल्क प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करने की राज्य द्वारा गारंटी दी गई है। अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि वे अपने बालकों को शिक्षा के लिए विद्यालय में प्रवेश कराएंगे।

शोषण के विरूद्ध अधिकार

संविधान के अनुच्छेद 23 व 24 में यह कहा गया है कि किसी भी बालक का ना तो शोषण किया जायेगा और न ही उससे बेगार ली जा सकती है। उनका अनैतिक व्यापार अर्थात यौन शोषण भी नहीं किया जा सकता। अब बालकों को बन्धुआ मजदूर भी नहीं बनाया जा सकता है।

कारखानों में नियोजन से सुरक्षा

कारखाना अधिनियम और संविधान के अनुच्छेद 24 में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 14 वर्ष से कम आयु के बालकों को कारखानों, खानों, व अन्य जोखिम भरे कार्यो में नियोजित नहीं किया जायेगा। इसका स्पष्ट अभिप्राय यह हुआ कि बालकों से कठोर श्रम नहीं लिया जाए ताकि उनका शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हो सके।

भरण पोषण का अधिकार

प्रत्येक बालक को अपने माता–पिता से भरण पोषण का अधिकार है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 125 के तहत प्रत्येक माता–पिता का यह कर्तव्य है कि वह अपने वैध या अवैध ा ऐसी अव्यस्क संतान जो कि स्वयं का भरण पोषण करने में समर्थ नहीं है, का भरण पोषण करेगें एवं ऐसी वैध या अवैध संतान जो कि व्यस्क होने के उपरांत भी मंद बुद्धि का होने का कारण या विकलांग होने के कारण या अस्वस्थता के कारण स्वयं का भरण पोषण करने में असमर्थ हो, का भी भरण पोषण करेगे। साथ ही अविवाहित बालिका जो कि उपरोक्त रेणी में आती हो, माता–पिता से भरण पोषण प्राप्त करने की अधिकारिणी है।

बाल विवाह से बचने का अधिकार

बाल विवाह निषेध कानून–2006 बाल विवाह पर रोक लगाता है। जब तक बालक की आयु 21 वर्ष और बालिका की आयु 18 वर्ष नहीं हो जाती तब तक उसका विवाह नहीं किया जा सकता है। यह कानून इसलिए बनाया गया है ताकि बालकों का सर्वांगीण विकास हो सके।

किशोर न्याय का अधिकार

कई बार बालक अपराध कर बैठते हैं, लेकिन बालकों को अपराधी नहीं कहा जाता है। बालकों के लिये एक विशेष कानून किशोर न्याय (बालकों की देख रेख और संरक्षण) अधिनियम 2000 बनाया गया है। इस अधिनियम के अन्तर्गत बालकों को अपराधी नहीं कह कर अपचारी बालक अथवा विधि विरूद्ध किशोर की संज्ञा दी गई है। सामान्यतः ऐसे बालकों को कारावास

का दण्ड नहीं दिया जाता है और उन्हें सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। ऐसे बालकों को न हथकड़ी लगाई जाती है और न ही लेज में बंद रखा जाता है। बालकों में ऐसे व्यक्तियों को सम्मिलित किया गया है, जिनकी आयु 18 वर्ष से कम है।

कन्या भ्रूण हत्या

कन्या भ्रूण हतया की सामाजिक बुराई की रोकथाम के लिए गर्भ धारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग निर्धारण की वर्जन) अधिनियम 1994 लागू किया गया है जिसके तहत लिंग का चयन एवं लिंग का निर्धारण को वर्जित किया गया है। इस अधिनियम के तहत प्रत्येक अपराध संज्ञेय, अजमानती और अशोभनीय है एवं 3 वर्ष से लेकर 5 वर्ष तक की सजा एवं 10,000/– रूपये से लेकर 50,000/– रूपये तक के जुर्माने के प्रावधान किये गये है। लिंग की जांच कराने वाला एवं जांचकर्ता दोनों को दोषी माना गया है। समाज में महिलाओं के घटते लिंगानुपात के कारण ही विभिन्न नवीन सामाजिक बुराईयों का जन्म हो रहा है। इसकी रोकथाम करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

रैगिंग से सुरक्षा का अधिकार

इस दिनों विद्यालयों और महाविद्यालयों में रैगिंग का प्रचलन बढ़ रहा है। रैगिंग से अभिप्राय विद्यालयों में प्रवेश के समय कुछ पुराने विद्यार्थियों द्वारा नये विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक यातना देने से है। कई बार यह सुनने में आता है कि प्रवेश के समय नये विद्यार्थियों को मूर्गा बनाया जाता है तथा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। इससे परेशान होकर उनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और कभी–कभी आत्महत्या भी कर लेते है। अतः सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और राज्य सरकार द्वारा बनाये गए कानूनों द्वारा रैगिंग पर रोक लगा दी गई है और इसके लिए दण्ड का प्रावधान किया गया है।

यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम–2012

देश में बालकों पर बढ़ते लैगिंक अपराधों (यौन हिंसा) की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा मजबूत और प्रभावी कानून लागू किया गया है जो 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी लड़के या लड़की के विरूद्ध यौन हिंसा लागू होता है। इसमें यौन हिंसा के विभिन्न तरीकों को परिभाषित करते हुए दण्ड के प्रावधान दिये गये है।

कोई भी व्यक्ति (बालक सहित) जिसे अपराध होने की आशंका है या अपराध होने की जानकारी है, स्थानीय पुलिस या विशेष किशोर पुलिस इकाई को जानकारी देकर मामले की रिपोर्ट कर सकता है।

अपराध के संबंध में मिथ्या सूचना या शिकायत करने पर छः माह से लेकर एक साल तक

के कारावास एवं जुर्माने तक के कारावास एवं जुर्माने के भी प्रावधान है।

विधिक सेवा प्राधिकरण की महत्वपूर्ण योजनाएं

1. निःशुल्क विधिक सहायता
2. मध्यस्थता
3. लोक अदालत
4. पीड़ित प्रतिकर स्कीम, 2011
5. पैरा लीगल वॉलींटियर स्कीम
6. कानूनी सेवा क्लिनिक
7. ग्रामीण विधिक सेवा एवं सहायता केन्द्र

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर
राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर, जयपुर

वेब साईट	–	www.rlsa.gov.in
ई मेल	–	rslsajp@gmail.com
हेल्पलाईन	–	0141–2385877
हेल्पलाईन	–	0141–2227481
हेल्पलाईन	–	0141–2227602

24 hour helpline for children in need of care and protection CHILDLINE 1098

बेबस, बेसहारा और मुसीबत में फँसे बच्चों के लिए दिन रात मुफ्त फोन सेवा 1098 चाइल्डलाइन

क्या आप जानते हैं?

1. धारा 151 दण्ड प्रक्रिया संहिता में पुलिय ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकती है। जिससे शांति भंग होने की संभावना हो या जो असंज्ञेय अपराध कर सकता हो। देर रात सड़कों पर आवारागर्दी करते हुए कोई व्यक्ति पाया जाए तो पुलिस उसे इस धारा में गिरफ्तार कर सकती है।

2. यदि शराब पीकर सार्वजनिक स्थान पर कोई व्यक्ति दंगा–फसाद करे या असामान्य व्यवहार करे तो पुलिस एक्ट की धारा 60 में उसे गिरफ्तार किया जा सकता है।

3. यदि कोई व्यक्ति जोर–जोर से ध्वनि यंत्र चलाकर शांति भंग करे जो यह अपराध है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ राजस्थान ध्वनि नियंत्रण अधिनियम 1963 की धारा 4/6 में मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है। उसे लाउडस्पीकर आदि सामान भी जब्त कर जिये जायेगे।

4. सार्वजनिक स्थानों पर जुआ, सट्टा खेलते हुए पाया जाए तो धारा 13 आर.पी.जी.ओ. में अपराध है।

5. सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाना नगर पालिका अधिनियम के तहत दण्डनीय अपराध है।

6. न्यायालय द्वारा किसी मामले में जमानत पर छूटने पर यदि कोई व्यक्त शर्तो को भंग करता है तो जमानत मुचलके की संपूर्ण रकम राजकोष में जब्त हो जाती है। रकम की अदायगी नहीं करने पर जमानती को 6 माह की जेल हो सकती है।

7. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 229–ए ने जमानत जब्ती को अपराध घोषित कर दिया है। आरोपी जमानत लेने के बाद कोर्ट में नहीं आये और जमानत जब्त हो जाए जो उसे एक वर्ष का कारावास संभव है।

8. पर्यावरण व वनों का संरक्षण करना हमारा दायित्व है। वनों को नुकसान पहुंचाना वन अधि ानियम 1927 में अपराध है, जिसके लिए छहः माह तक का कारावास या पांच सौ रूपये जुर्माना या दोनों संभव है।

9. 18 साल से कम की लड़की एवं 21 साल से कम के लड़के का विवाह करना बाल विवाह कहलाता है जो अपराध है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 में बाल विवाह करवाने वालों के लिए सजा का प्रावधान किया गया है।

10. परीक्षा में नकल करना अपराध है जिसके लिए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 1992 में तीन वर्ष तक के कारावास का प्रावधान किया गया है।

APPENDIX- III

कक्षा–9 के छात्रों के लिये शिक्षण सत्र 2016–17 हेतु पाठ्य पुस्तकों की सूची

क्र.सं.	विषय	पुस्तक का नाम	विवरण
1.	हिन्दी	प्रबोधिनी	BSER
2.	English	1. Insight	BSER
4.		2. Gems of Fiction	BSER
5.	विज्ञान	विज्ञान	BSER
6.	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान	BSER
7.	गणित	गणित	BSER
8.	तृतीय भाषा संस्कृत	सरसा प्रथमो भाग	BSER
9.	उर्दू		BSER
10.	गुजराती (द्वितीय भाषा)		BSER
11.	सिन्धी	सुरहाण	BSER
12.	पंजाबी	वीरसा	BSER
13.	व्यावसायिक शिक्षा : लेवल–1		PSSCIVE
	(i) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य	(ii) स्वास्थ्य देखभाल	
	(iii) सूचना प्रौद्योगिकी	(iv) निजी सुरक्षा	
	(v) रिटेल	(vi) ट्रेवल एवं टूरिज्म	
	(vii) ऑटोमोबाइल	(viii) इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स	
	(ix) Apparel Made ups & Home Furnishing		
	(x) Micro Irrigation Technician (Agriculture)		
14.	शारीरिक एवं स्वा.शिक्षा	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा	BSER
15.	कम्प्यूटर शिक्षा	सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा–1	BSER
16.	हिन्दी व्याकरण	नवीन हिन्दी व्याकरण एवं रचना	BSER
17.	(S.U.P.W. & C.S.)	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा	BSER
18.	कला शिक्षा	कला कुन्ज	BSER
19.		समाजोपयोगी योजनाऐं (भाग–1)	BSER

प्रवेशिका कक्षा–9 हेतु पुस्तकें :

संस्कृतम् (विशेष)	व्याकरणकौमुदी (प्रथमो भागः)	BSER
	काव्यकौमुदी (प्रथमो भागः)	BSER